निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 ● DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 ● वर्ष-19 ● 1 से 15 अगस्त 2023 तक ● संयुक्तांक- 15 ● पृष्ठ-8 ● मूल्य-10रू

देश में महिला नेतृत्व वाला विकास हमारी प्रमुख प्राथमिकता : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास भारत सरकार की एक प्रमुख प्राथमिकता रही है। महिला सशक्तिकरण पर जी20 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने अपने वीडियो संदेश में यह बात कही। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं समृद्ध होती हैं तो दुनिया समृद्ध होती है। उनका आर्थिक सशक्तिकरण विकास को बढ़ावा देता है, शिक्षा तक उनकी पहुंच वैश्विक प्रगति को बढ़ावा देती है। उनका नेतृत्व समावेशिता को बढ़ावा देता है और उनकी आवाजें सकारात्मक बदलाव को प्रेरित करती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी तरीका महिला-नेतृत्व वाला विकास दृष्टिकोण है। भारत इस दिशा में कदम बढ़ा रहा है। महिला सशक्तिकरण पर प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें उन बाधाओं को दूर करने के लिए काम करना चाहिए, जो बाजारों और वैश्विक मूल्य श्रृंखला तक महिलाओं की पहुंच पर प्रतिबंध लगाती हैं। साथ ही, हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि देखभाल और घरेलू काम के बोझ को उचित रूप से संबोधित किया जाए। प्रधानमंत्री ने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि भारत की अध्यक्षता में महिला सशक्तिकरण पर एक नया कार्य समूह स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक प्रेरणादायक उदाहरण बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह एक साधारण आदिवासी पृष्ठभूमि से आती हैं, लेकिन अब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करती हैं और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी रक्षा सेना के कमांडर-इन-चीफ के रूप में कार्य करती हैं। भारत में महिला सशक्तिकरण के प्रयासों के परिणामों को प्रधानमंत्री ने आगे रखा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत लगभग 70 प्रतिशत ऋण महिलाओं को स्वीकृत किए गए हैं। इसी तरह, स्टैंड अप इंडिया के तहत 80 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं, जो ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के लिए बैंक ऋण ले रही हैं। उन्होंने बताया कि भारत के हमारे सहकारी आंदोलन की कई सफलता की कहानियां महिलाओं द्वारा संचालित हैं। ऐसा ही एक उदाहरण गुजरात राज्य में डेयरी क्षेत्र से है। गुजरात में डेयरी क्षेत्र से 36 लाख महिलाएं जुड़ी हैं। विशेष रूप से, जहां तक भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाले यूनिकॉर्न का संबंध है, ऐसे यूनिकॉर्न का संयुक्त मूल्य 40 बिलियन डॉलर से अधिक है। भारत में स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) स्नातकों में लगभग 43 प्रतिशत महिलाएं हैं। भारत में लगभग एक-चौथाई अंतरिक्ष वैज्ञानिक महिलाएं हैं। चंद्रयान, गगनयान और मिशन मंगल जैसे हमारे प्रमुख कार्यक्रमों की सफलता के पीछे महिला वैज्ञानिकों की प्रतिभा और कड़ी मेहनत है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 का कांग्रेस ने किया विरोध

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 का लोकसभा में विरोध किया है। लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने गुरुवार को इस विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि यह देश के संघीय ढांचे के साथ छेड़छाड़ है। यह देश हित में नहीं है। इसलिए कांग्रेस इस विधेयक का विरोध करती है। चौधरी ने कहा कि आज दिल्ली के लिए सरकार ऐसा विधेयक ला सकती है तो सरकार दूसरे राज्यों के लिए भी ऐसा विधेयक लाएगी। अगर ऐसा होता रहा तो फिर देश के संघीय ढांचे की व्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी। चौधरी ने कहा कि सरकार का तर्क है कि वह दिल्ली में घोटाले आदि को रोकने के लिए यह विधेयक लाई है, जो सही नहीं है। सरकार के पास ईडी और सीबीआई जैसी संस्थाएं हैं। वह उनके माध्यम से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा सकती है। इसके लिए विधेयक लाने की जरूरत नहीं है। चौधरी ने सवाल किया, 'इस अध्यादेश को लाने में जल्दबाजी क्यों की गई? अध्यादेश लाने की क्या जरूरत थी? चौधरी ने कहा कि अगर संघीय ढांचे की रक्षा नहीं की गई तो देश नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा के सदस्यों को जनता चुनती है तो क्या उससे कानून बनाने का अधिकार छीन लिया जाएगा? उल्लेखनीय है कि लोकसभा में आज दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 पेश किया गया। विधेयक पर चर्चा की शुरूआत करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि दिल्ली संघ शासित राज्य है और संसद को विधेयक लाने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में भी इसकी पुष्टि की थी।

न्यूज फ्लैश

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने बताया...मेहुल चौकसी ने लगाया सबसे ज्यादा चूना

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने कहा कि शीर्ष 50 विलफुल डिफॉल्टर्स में भगौड़े मेहुल चोकसी की गीतांजलि जेम्स लिमिटेड और एरा इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड, आरईआई एग्रो लिमिटेड और एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड जैसी कंपनियों पर सामूहिक रूप से 87,295 करोड़ की भारी राशि बकाया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बताया है कि 31 मार्च, 2023 तक एससीबी में शीर्ष 50 विलफुल डिफॉल्टरों पर बकाया राशि 87,295 करोड़ थी। इसमें से शीर्ष 10 पर अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का 40,825 करोड़ बकाया है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान, एससीबी ने उपलब्ध अनंतिम आंकड़ों के अनुसार कुल 10,57,326 करोड़ की राशि माफ की है। चौकसी गीतांजलि जेम्स बैंकों का 8,738 करोड़ रुपये का सबसे बड़ा विलफुल डिफॉल्टर है। दूसरे स्थान पर एरा इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड है, जिस पर 5,750 करोड़ रुपये का बकाया है। कतार में आरईआई एग्रो लिमिटेड पर 5,148 करोड़, एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड 4,774 करोड़ और कॉनकास्ट स्टील एंड पावर लिमिटेड 3,911 करोड़ भी शामिल हैं। विलफुल डिफॉल्टर वह कर्जदार होता है जो साधन होने के बावजूद जानबूझकर ऋण चुकाने से इनकार कर देता है। मंत्री कराड ने कहा कि धोखाधड़ी करने वाले या जानबूझकर कर्ज नहीं चुकाने वाले के रूप में वर्गीकृत कर्जदारों के संबंध में बैंकों को इनके खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही पर प्रतिकूल असर डाले बिना जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों या बैंकों के साथ धोखाधड़ी वाले कर्जदारों के साथ समझौता करने पर विचार करना चाहिए।

सनी देओल ने जैसलमेर में तनोट माता के दर्शन किए

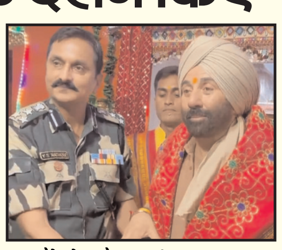

जैसलमेर। बॉलीवुड फिल्म अभिनेता सनी देओल ने जैसलमेर जिले में प्रसिद्ध तनोट माता मंदिर के दर्शन किए। पुलिस ने बताया कि अभिनेता हेलीकॉप्टर से तनोट पहुंचे और मंदिर में पूजा-अर्चना की। पुलिस का कहना है कि बाद में वह सड़क मार्ग से जैसलमेर के लिए रवाना हो गये तथा इस दौरे के दौरान सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी भी मौजूद थे। तनोट माता मंदिर जैसलमेर से 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और इसकी देखभाल बीएसएफ द्वारा की जाती है। 1965 और 1971 के युद्धों के दौरान पाकिस्तान की भीषण गोलाबारी से मंदिर सुरक्षित बच गया था। सनी उर्फ तारा सिंह ने ऐतिहासिक लोंगेवाला और तनोट चौकियों की पहली यात्रा के साथ गदर2 ग्राउंड प्रमोशन शुरू किया। सनी देओल ने सेना और बीएसएफ के जवानों और अधिकारियों से मुलाकात की। बीएसएफ ने कुछ मजेदार गतिविधियां आयोजित कीं और अभिनेता के साथ दिलचस्प खेल भी खेले। बीएसएफ राजस्थान ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट की है। तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा कि प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता और सांसद सनी देओल ने विजय स्तंभ तनोट पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी, तनोट माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर जैसलमेर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा का दौरा किया। उन्होंने बीएसएफ अधिकारियों और जवानों से बातचीत की। उन्होंने जवानों के साथ गाना भी गाया और डांस भी किया।

सांसद हेमा की मांग......कृष्ण जन्मभूमि का भी वैज्ञानिक सर्वेक्षण जल्द होना चाहिए

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के एएसआई सर्वेक्षण को हरी झंडी दे दी है। अदालत ने अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी की याचिका पर अपना आदेश सुनाया। फैसला सुनाते समय, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस पर जोर दिया कि न्याय के हित में वैज्ञानिक सर्वेक्षण आवश्यक है। इस फैसले पर मथुरा से भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने प्रतिक्रिया देकर कृष्ण जन्मभूमि के भी वैज्ञानिक सर्वेक्षण की बात कही। सांसद हेमा ने कहा, अच्छा है सर्वे होना ही चाहिए। इसका डिसीजन जल्द से जल्द होना चाहिए, पूरे देश के लिए अच्छा है। कृष्ण जन्मभूमि का भी सर्वे होना चाहिए। जल्दी से जल्दी सब साफ होना चाहिए। फैसला जल्द से जल्द आना चाहिए अन्यथा बातचीत होती रहेगी। अगर अंतिम निर्णय जल्द आता है, तब यह देश के लिए अच्छा होगा। इधर मुस्लिम पक्ष इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने पर विचार कर रहा है। अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी हाई कोर्ट के फैसले का अध्यन कर सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकीलों से चर्चा कर रही है।

डॉ. मंगलम स्वामीनाथन फाउंडेशन ने राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित कीं

नई दिल्ली। डॉ. मंगलम स्वामीनाथन फाउंडेशन ने कई क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 के तहत पांच पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जिनमें पत्रकारिता, स्वास्थ्य रिपोर्टिंग, विज्ञान रिपोर्टिंग, कला और संस्कृति में उत्कृष्टता और सामाजिक सेवाओं (श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी सेवा सम्मान) के क्षेत्र शामिल किए गए हैं। डॉ. मंगलम स्वामीनाथन फाउंडेशन के मुताबिक इन पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां 30 सितंबर, 2023 तक भेजी जा सकती हैं। इस वर्ष के पुरस्कारों की घोषणा अक्टूबर 2023 के अंतिम सप्ताह तक की जाएगी। ये पुरस्कार 29 नवंबर, 2023 को आयोजित होने वाले भव्य समारोह में चयनित व्यक्तित्वों एवं संस्थानों को प्रदान किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए लोग फाउंडेशन की वेबसाइट (https://www.msfoundation.in/press_release/) पर जा सकते हैं।

साहित्य, संगीत और कला ही प्रदान करते हैं मन, बुद्धि और आत्मा सुख : शिवराज

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा मध्यप्रदेश का सौभाग्य है हमें अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव 'उन्मेष' और लोक एवं जनजातीय अभिव्यक्तियों के उत्सव 'उत्कर्ष' जैसे भव्य और गरिमामय आयोजन की मेजबानी का सौभाग्य प्राप्त हुआ। भारत अत्यंत प्राचीन और महान राष्ट्र है। भारत वह भूमि है, जिसने वसुधैव कुटुम्बकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे भवन्तु निरामयः अर्थात सभी सुखी हों और सबके निरोग रहने का संदेश दिया। रोटी, कपड़ा और मकान के साथ-साथ व्यक्ति के सुख के लिए मन, बुद्धि और आत्मा का सुख भी आवश्यक है। मनुष्य को यह सुख अगर कोई देता है, तो वह साहित्य, संगीत और कला ही है। आज बड़ी संख्या में गणमान्य साहित्यकार, कलाकार और संगीतकारों ने यहाँ अपनी उपस्थिति से शोभा बढ़ाई है। मुख्यमंत्री चौहान गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में भोपाल के रवीन्द्र भवन में "उत्कर्ष और उन्मेष" उत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक तरफ वैभवशाली, गौरवशाली, सम्पन्न और शक्तिशाली भारत का निर्माण कर रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी कला, संस्कृति, परम्पराओं, साहित्य, जीवन मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन के लिए भी निरंतर प्रयासरत हैं। मुझे विश्वास है कि साहित्य, कला और संगीत में दुनिया को एक बनाए रखने का सामर्थ्य है। भौतिकता की अग्नि में दुग्ध मानवता को शाश्वत शांति का दिग्दर्शन कला, संगीत और साहित्य ही कराएंगे।" मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू की स्वच्छता के लिए प्रतिबद्धता से देश उत्साह के साथ प्रेरणा प्राप्त करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परम्पराओं में आस्था से उनके प्रति आदर और सम्मान का भाव उत्पन्न होता है और देश अपने मूल्यों को याद करता है। प्रधानमंत्री मोदी की पहल से ही 'उन्मेष' और 'उत्कृष' जैसे नवाचार सामने आते हैं। हमारे यहां बहुत सी भाषाएं और बोलियों के होते हुए भी देश में मूलभूत एकता है।

दिव्यांग व्यक्तियों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करना संपूर्ण समाज का दायित्व : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिव्यांग व्यक्तियों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करना समस्त समाज की जिम्मेदारी बताया और कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें उचित शिक्षा, रोजगार के अवसर, सुलभ सार्वजनिक स्थल और एक सुरक्षित एवं बेहतर जीवन मिले। राष्ट्रपति गुरुवार को नई दिल्ली में नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों से अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने की अपील की। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय संस्कृति में दिव्यांगता को कभी भी ज्ञान प्राप्त करने और उत्कृष्टता हासिल करने में बाधा नहीं माना गया है। उन्होंने ऋषि अष्टावक्र और महान कवि सूरदास का उदाहरण देते हुए कहा कि दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि है। राष्ट्रपति ने पिछले 50 वर्षों में दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड की सराहना की। उन्होंने कहा कि फेडरेशन ने दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के समक्ष आने वाली चुनौतियों के बारे में समाज में जागरूकता बढ़ाई है, जिससे समाज अधिक समावेशी बना है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार विभिन्न पहलों के माध्यम से दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के समग्र विकास और सशक्तिकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में सरकार और समाज के साथ मिलकर अपना प्रयास जारी रखेगा।

सांसदों के हंगामे से नाराज लोकसभा अध्यक्ष आज भी नहीं हुए पीठासीन, कार्रवाई स्थगित

नई दिल्ली। सांसदों के हंगामे से नाराज लोकसभा अध्यक्ष आज भी पीठासीन नहीं हुए तो कांग्रेस ने उन्हें सदन में आने की मांग करते हुए मसला सुलझाने की बात कही। गौरतलब है कि सदन में सांसदों के हंगामे से नाराज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लगातार दूसरे दिन गुरुवार को भी सदन की कार्यवाही का संचालन नहीं किया। गुरुवार को सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर सदन का संचालन करने के लिए पीठासीन सभापति राजेन्द्र अग्रवाल सदन में आए। और प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू की तो लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने सदन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को बुलाने की मांग करते हुए कहा कि सदन की कार्यवाही जब शुरू हो तो पीठासीन के पद पर वे स्पीकर साहब अर्थात ओम बिरला को देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पूरा सदन स्पीकर का मुरीद है और सब उन्हें सदन शुरू होने पर पीठासीन देखना चाहते हैं। अधीर रंजन चौधरी ने आगे कहा कि स्पीकर हमारे कस्टोडियन है, उनको बुलाकर पद पर बैठाइए, जो भी मसला है, हम आपस में समाधान कर लेंगे। हालांकि इसके बावजूद मणिपुर पर प्रधानमंत्री के बयान की मांग को लेकर सदन में विरोधी दलों के सांसदों का हंगामा और नारेबाजी जारी रहा जिसकी वजह से गुरुवार को भी सदन की कार्यवाही को दोपहर बाद 2 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। यहां गौरतलब है कि लोक सभा के अंदर सांसदों द्वारा लगातार वेल में आकर नारेबाजी करने, हंगामा करने और सदन की कार्यवाही के लाइव प्रसारण के दौरान टीवी पर दिखाने की मंशा से सदन में मंत्रियों के सामने प्लेकार्ड लहराने से नाराज लोक सभा अध्यक्ष ने बुधवार को भी सदन की कार्यवाही का संचालन नहीं किया था। बुधवार को सदन की कार्यवाही का संचालन पीठासीन सभापति मिधुन रेड्डी ने किया तो वहीं दोपहर बाद 2 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर पीठासीन सभापति किरीट प्रेमजी भाई सोलंकी सदन को चलाते नजर आए। आपको बता दें कि, वर्तमान लोक सभा में अभी तक सदन का उपाध्यक्ष नहीं चुना गया है इसलिए स्पीकर की अनुपस्थिति में पीठासीन सभापति के पैनल में शामिल लोक सभा सांसद ही सदन की कार्यवाही का संचालन करते हैं।लोकसभा अध्यक्ष ने सांसदों के व्यवहार को लेकर राजनीतिक दलों के नेताओं से अपनी नाराजगी जाहिर कर दी है और इसे व्यक्त करने के लिए ही बिरला दो दिन से सदन में पीठासीन नहीं हो रहे हैं।

DELHI CRIME PRESS की सदस्यता के लाभ

इच्छुक व्यक्ति समाचार पत्र की आजीवन सदस्यता प्राप्त करने के लिए संपर्क कर सकते है पाठक सदस्यता का शुल्क मात्र 1599 है।

सदस्यता लेने के बाद मिलने वाले फायदे

प्रभावशाली गौरवशाली राष्ट्रीय सेवा को समर्पित रोजगार

निशुल्क विज्ञापन (एक विज़िटिंग कार्ड साइज)

सदस्यता पहचान पत्र व पेन

दिल्ली क्राइम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा के स्टीकर (कार व बाइक के लिए)

अपने क्षेत्र में अपने राज्य में राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी प्रकार की समस्या पर लेख समाचार पत्र में प्रकाशित करवाने का अवसर

भारत की विभिन्न एजेंसियों की मदद से जनसेवा करने का सुअवसर

दिल्ली जर्नलिज्म एंड इन्वेस्टिगेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट (पत्रकारिता प्रशिक्षण संस्थान) से प्रशिक्षण प्राप्त कर पत्रकार बनने का सुअवसर

सम्पादकीय

इंडिया बनाम भारत या इंडिया जो भारत है?

पिछले नौ सालों से भाजपा हमारे देश पर शासन कर रही है। विपक्षी पार्टियों को धीरे-धीरे यह समझ में आया कि भाजपा सरकार न तो संविधान की मंशा के अनुरूप शासन कर रही है और ना ही उसकी रूचि स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित समावेशी भारत के निर्माण में है। भाजपा सरकार ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी पार्टियों को कमजोर करने के लिए कर रही है। इसके अलावा, उसकी नीतियाँ सरकार के साथ सांठगाँठ कर अपना उल्लू सीधा करने वाले पूंजीपतियों को बढ़ावा देने वाली हैं। वह प्रजातान्त्रिक अधिकारों को भी कुचल रही है। उसकी राजनीति राममंदिर, लवजिहाद और अन्य अनेक किस्मों के जिहादों, गाय, गौमॉस और पहचान से जुड़े मुद्दों के अलावा, हमारे एक पड़ोसी देश पर अति-राष्ट्रवादी कटु हमले करने पर केन्द्रित है। उसकी नीतियों से आम लोगों, और विशेषकर गरीब और कमजोर वर्गों, की परेशानियाँ बढीं हैं। चाहे वह नोटबंदी हो, कुछ घंटो के नोटिस पर देशव्यापी कड़ा लॉकडाउन लगाने का निर्णय हो, बढ़ती हुई बेरोजगारी और महंगाई हो या दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और धार्मिक अल्पसंख्यकों के दमन में बढ़ोत्तरी हो झ इन सबसे आम लोगों को ढेर सारी परेशानियाँ भुगतनी पड़ रही हैं। भाजपा इस देश की सबसे धनी पार्टी है। उसने इलेक्टोरल बांड्स के जरिये अकूत धन इकठ्ठा कर लिया है। पीएम केयर फण्ड भी पार्टी की तिजोरी भरने का साधन बन गया है। इसके अलावा, पार्टी को आरएसएस और उसके अनुषांगिक संगठनों के लाखो कार्यकताओं के रूप में प्रचारकों की एक विशाल फौज उपलब्ध है। ये सभी चुनाव के दौरान और वैसे भी भाजपा के लिए काम करते हैं। इस पृष्ठभूमि में गैर-भाजपा पार्टियों ने इंडिया (भारतीय राष्ट्रीय विकास और समावेशिता गठबंधन) का गठन किया है। इस गठबंधन को बैंगलोर में इन पार्टियों के दूसरे सम्मलेन में आकार दिया गया। बैंगलोर में 26 राजनैतिक दलों ने प्रजातंत्र और संविधान को बचाने और भाजपा, जिसका संगठन मतदान केंद्र से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक फैला हुआ है और जो एक बढ़िया मशीन की तरह काम करता है, से मुकाबला करने के लिए एक साथ मिल कर काम करने का निर्णय लिया है। इस संगठन के ठोस स्वरुप लेने से भाजपा चौकन्ना और परेशान हो गयी। सबसे पहले उसने एनडीए (राष्ट्रीय लोकतान्त्रिक गठबंधन) को डीप फ्रीजर से बाहर निकाला। इसमें 38 पार्टियाँ शामिल हैं, जिनमें से कुछ को छोड़कर सभी अनजान हैं। एनडीए के सम्मलेन में जो बैनर लगाया गया था उसमें केवल शीर्ष नेता का चित्र था और बाकी पार्टियों के नेता उनके आगे दंडवत कर रहे थे। विपक्षी गठबंधन को इंडिया का नाम देने का निर्णय सचमुच बेहतरीन था और इससे भाजपा और उसके साथी बहुत घबरा गए। उन्होंने विपक्षी पार्टियों को भला-बुरा कहने के अलावा यह भी कहा कि इस नाम का इस्तेमाल अनुचित है। उनके अनुसार इससे चुनाव में मतदाता भ्रमित हो सकते हैं। इस सिलसिले में दिल्ली के बाराखम्बा पुलिस थाने में एक शिकायत भी भाजपा नेताओं ने दर्ज करवाई है। भाजपा नेता और असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा इस बहस को एक कदम और आगे ले गए। उनके अनुसार इंडिया और भारत शब्द दो अलग-अलग सभ्यताओं के प्रतीक हैं। अंग्रेजों ने हमारे देश को इंडिया का नाम दिया था और हमें इस औपनिवेशिक विरासत से स्वयं को मुक्त करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे पुरखों ने भारत के लिए संघर्ष किया था और हमें भारत के निर्माण के लिए काम करना चाहिए। सरमा पर तीखा पलटवार करते हुए कांग्रेस के जयराम रमेश ने ट्वीट किया: उनके (सरमा) गुरूजी, श्री मोदी ने पहले से चली आ रही योजनाओं को नए नाम दिए स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया। उन्होंने विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों से टीम इंडिया के रूप में काम करने को कहा। यहाँ तक कि उन्होंने वोट इंडिया की अपील भी की। पर ज्योंही 26 पार्टियों ने अपने गठबंधन को इंडिया का नाम दिया, उन्हें फिट आ गया और वे इंडिया शब्द के इस्तेमाल को औपनिवेशिक मानसिकता का प्रतीक बताने लगे। प्रधानमंत्री इससे इतने परेशान हो गये कि उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल को बीजेपी फॉर इंडिया से बीजेपी फॉर भारत में बदल दिया। प्रधानमंत्री के सभ्यताओं और मूल्यों के टकराव की बात करते ही हिन्दुत्ववादी लेखकों में इस मुद्दे पर लिखने की होड़ मच गयी। जेएनयू की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित ने लिखा, भारत को मात्र संविधान से बंधे एक राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करना उसके इतिहास, उसकी प्राचीन विरासत, संस्कृति और सभ्यता की उपेक्षा करना है।

- नरेंद्र कुमार

बहुपयोगी पशु होती है जल भैंस

जंगली जल भैंस संभवतः घरेलू जल भैंस के पूर्वज का प्रतिनिधित्व करती है। एक फाइलोजेनेटिक अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि नदी-प्रकार की जल भैंस की उत्पत्ति संभवतः पश्चिमी भारत में हुई थी और इसे लगभग 6,300 साल पहले पालतू बनाया गया था, जबकि दलदल-प्रकार की जल भैंस मुख्य भूमि दक्षिण पूर्व एशिया से स्वतंत्र रूप से उत्पन्न हुई थी और इसे लगभग 3,000 से 7,000 साल पहले पालतू बनाया गया था। भैंस नदी पश्चिम में मिस्र, बाल्कन और इटली तक फैल गई ; जबकि दलदली भैंस शेष दक्षिण पूर्व एशिया और तक फैल गईयांग्त्जी नदी घाटी। जल भैंसें विशेष रूप से चावल के खेतों की जुताई के लिए उपयुक्त होती हैं, और उनके दूध में डेयरी मवेशियों की तुलना में वसा और प्रोटीन अधिक होता है। 19वीं सदी के अंत में उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में एक बड़ी जंगली आबादी स्थापित हो गई, और पापुआ न्यू गिनी, ट्यूनीशिया और उत्तरपूर्वी अर्जेंटीना में छोटे जंगली झुंड हैं। जंगली झुंड न्यू ब्रिटेन, न्यू आयरलैंड, इरियन जया, कोलंबिया, गुयाना, सूरीनाम, ब्राजील और उरुग्वे में भी मौजूद हैं। मार्च 2003 में, जूलॉजिकल नामकरण पर अंतर्राष्ट्रीय आयोग ने यह फैसला देकर जंगली और घरेलू जल भैंसों के नामकरण में स्थिरता हासिल की कि वैज्ञानिक नाम बुबलस आर्नी जंगली रूप के लिए मान्य है। बी. बुबलिस घरेलू रूप के लिए मान्य है और जंगली आबादी पर भी लागू होता है। नदी भैंस की त्वचा काली है, लेकिन कुछ नमूनों में गहरे, स्लेट रंग की त्वचा हो सकती है। दलदली भैंसों की त्वचा जन्म के समय भूरे रंग की होती है, जो बाद में स्लेटी नीली हो जाती है। कुछ आबादी में एल्बिनोइड्स मौजूद हैं। नदी भैंसों के चेहरे दलदली भैंसों की तुलना में लंबे, छोटे घेरे और बड़े अंग होते हैं। उनकी पृष्ठीय कटकें पीछे की ओर बढ़ती हैं और धीरे-धीरे कम होती जाती हैं। जल भैंस का रूमेन अन्य जुगाली करने वाले पशुओं के रूमेन से भिन्न होता है। इसमें बैक्टीरिया की एक बड़ी आबादी शामिल है, विशेष रूप से सेल्युलोलाइटिक बैक्टीरिया, निचले प्रोटोजोआ और उच्च कवक जोस्पोर्स। इसके अलावा, मवेशियों की तुलना में उच्च रूमेन अमोनिया नाइट्रोजन (एनएच 4 -एन) और उच्च पीएच पाया गया है। नदी की भैंसें गहरे पानी को पसंद करती हैं। दलदली भैंसें कीचड़ में लोटना पसंद करती हैं, जिसे वे अपने सींगों से बनाते हैं। दीवार बनाने के दौरान उन पर मिट्टी की मोटी परत जम जाती है। [1] दोनों गर्म और आर्द्र जलवायु के लिए अच्छी तरह से अनुकूलित हैं, जहां सर्दियों में तापमान 0 डिग्री सेल्सियस (32 डिग्री फारेनहाइट) से लेकर 30 डिग्री सेल्सियस (86 डिग्री फारेनहाइट) और गर्मियों में इससे अधिक होता है। गर्म जलवायु में पानी की उपलब्धता महत्वपूर्ण है, क्योंकि थमोरेंग्यूलेशन में सहायता के लिए उन्हें दीवारों, नदियों या पानी के छींटों की आवश्यकता होती है। जल भैंस की कुछ नस्लें खारे समुद्र तटीय तटों और खारे रेतीले इलाकों के लिए अनुकूलित होती हैं। सघन दूध उत्पादन और मोटापा बढ़ाने के लिए हरे चारे का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। कई चारा फसलों को घास, भूसी या गूदे के रूप में संरक्षित किया जाता है। चारे में अल्फाल्फा, केले की पत्तियां, तना या कतरन, कसावा, मैंगेलवुर्जेल, एस्पार्टो, ल्यूकेना ल्यूकोसेफला और केनाफ, मक्का, जई, पैंडनस, मूंगफली, ज्वार, सोयाबीन, गन्ना, खोई और शलजम शामिल हैं। खट्टे फल का गूदा और अनानास का कचरा भैंस को सुरक्षित रूप से खिलाया गया है। मिस्र में, पूरा धूप में सुखाया गयादूध देने वाली भैंस को मानक चारा मिश्रण का 25% तक खजूर खिलाया जाता है। दलदली भैंसें आम तौर पर नदी नस्लों की तुलना में अधिक उम्र में प्रजनन योग्य हो जाती हैं। मिस्र, भारत और पाकिस्तान में युवा पुरुषों का पहली बार संभोग लगभग 3.0-3.5 साल की उम्र में किया जाता है, लेकिन इटली में, उनका उपयोग 2 साल की उम्र में ही किया जा सकता है। सफल संभोग व्यवहार तब तक जारी रह सकता है जब तक कि जानवर 12 वर्ष या उससे अधिक का न हो जाए। एक अच्छा नदी भैंसा नर एक वर्ष में 100 मादाओं को गर्भवती कर सकता है। संभोग पर एक मजबूत मौसमी प्रभाव होता है। गर्मी का तनाव कामेच्छा को कम कर देता है।

उपयोगसंपादन करना - 1950 के दशक के दौरान, जल भैंसों का उनकी खाल और मांस के लिए शिकार किया जाता था, जिसे निर्यात किया जाता था और स्थानीय व्यापार में उपयोग किया जाता था। 1970 के दशक के अंत में, क्यूबा को लाइव निर्यात किया गया और बाद में अन्य देशों में जारी रखा गया। कृत्रिम गभार्धान कार्यक्रमों में दलदली भैंसों को अब नदी भैंसों के साथ पार कराया जाता है, और ऑस्ट्रेलिया के कई क्षेत्रों में रखा जाता है। इनमें से कुछ संकर नस्लों का उपयोग दूध उत्पादन के लिए किया जाता है। मेलविले द्वीप एक लोकप्रिय शिकार स्थान है, जहाँ 4,000 व्यक्तियों तक की स्थिर आबादी मौजूद है।

सफारी पोशाकें डार्विन से मेलविले द्वीप और टॉप एंड के अन्य स्थानों तक चलाई जाती हैं, अक्सर बुश पायलटों के उपयोग के साथ; भैंस के सींग, जो टिप-टू-टिप 3.1 मीटर (10 फीट) के रिकॉर्ड तक माप सकते हैं, बेशकीमती शिकार ट्राफियां हैं। जल भैंसों की पालन-पोषण प्रणाली उस उद्देश्य पर निर्भर करती है जिसके लिए उनका पालन-पोषण और रखरखाव किया जाता है। उनमें से अधिकांश को छोटे खेतों में काम करने वाले लोगों द्वारा पारिवारिक इकाइयों में रखा जाता है। उनकी जल भैंसें उनके साथ घनिष्ठ संबंध में रहती हैं, और अक्सर उनकी सबसे बड़ी पूंजी संपत्ति होती हैं। भारत में महिलाएं और लड़कियां आम तौर पर दूध देने वाली भैंसों की देखभाल करती हैं, जबकि पुरुष और लड़के काम करने वाले जानवरों की देखभाल करते हैं। दुनिया भर में मांस के लिए हर साल लगभग 26 मिलियन जल भैंसों का वध किया जाता है। वे विश्व भोजन में प्रति वर्ष 72 मिलियन टन दूध और तीन मिलियन टन मांस का योगदान करते हैं, इसका अधिकांश हिस्सा उन क्षेत्रों में होता है जो पोषण संबंधी असंतुलन से ग्रस्त हैं। भारत में, नदी भैंसों को मुख्य रूप से दूध उत्पादन और परिवहन के लिए रखा जाता है, जबकि दलदली भैंसों को मुख्य रूप से काम और थोड़ी मात्रा में दूध के लिए रखा जाता है। भैंस के दूध में अन्य जुगाली करने वाली प्रजातियों से भिन्न भौतिक-रासायनिक विशेषताएं होती हैं, जैसे फैटी एसिड और प्रोटीन की उच्च सामग्री। दलदल-प्रकार और नदी-प्रकार की भैंस के दूध के भौतिक और रासायनिक पैरामीटर भिन्न होते हैं। भैंस के दूध में गाय के दूध की तुलना में कुल ठोस पदार्थ, कच्चा प्रोटीन, वसा, कैल्शियम और फास्फोरस का उच्च स्तर और लैक्टोज की मात्रा थोड़ी अधिक होती है। कुल ठोस पदार्थों का उच्च स्तर भैंस के दूध को पनीर जैसे मूल्यवर्धित डेयरी उत्पादों में प्रसंस्करण के लिए आदर्श बनाता है। भैंस के दूध में संयुग्मित लिनोलिक एसिड की मात्रा सितंबर में 4.4 मिलीग्राम/ग्राम वसा से लेकर जून में 7.6 मिलीग्राम/ग्राम वसा तक थी। मौसम और आनुवांशिकी सीएलए स्तर की भिन्नता और भैंस के दूध की सकल संरचना में बदलाव में भूमिका निभा सकते हैं।

जल भैंस के दूध को विभिन्न प्रकार के डेयरी उत्पादों में संसाधित किया जाता है, जिनमें शामिल हैं:

क्रीम उच्च वसा स्तर पर बहुत तेजी से मथती है और गाय की क्रीम की तुलना में अधिक ओवररन देती है। भैंस की मलाई का मक्खन गाय की मलाई की तुलना में अधिक स्थिरता प्रदर्शित करता है। गाय के दूध के घी की तुलना में भैंस के दूध के घी की बनावट अलग होती है और इसके दाने का आकार भी बड़ा होता है। भारतीय उपमहाद्वीप में ताप-केंद्रित दूध उत्पादों में पनीर, खोआ, रबड़ी, खीर और बासुंदी शामिल हैं। किण्वित दूध उत्पादों में दही, दही और छना हुआ दही शामिल हैं। मट्ठा का उपयोग इटली में रिकोटा और मस्करपोन बनाने के लिए किया जाता है, और सीरिया और मिस्र में अल्कारिश बनाने के लिए किया जाता है। जल भैंस का मांस, जिसे कभी-कभी कैराबीफ भी कहा जाता है, अक्सर कुछ क्षेत्रों में गोमांस के रूप में पेश किया जाता है, और यह भारत के लिए निर्यात राजस्व का एक प्रमुख स्रोत भी है। कई एशियाई क्षेत्रों में, जल भैंस के मांस को उसकी कठोरता के कारण कम पसंद किया जाता है; हालाँकि, व्यंजन विकसित हो गए हैं (उदाहरण के लिए, रेंडांग) जहां धीमी गति से खाना पकाने की प्रक्रिया और मसाले न केवल मांस को स्वादिष्ट बनाते हैं, बल्कि इसे संरक्षित भी करते हैं, गर्म जलवायु में एक महत्वपूर्ण कारक जहां प्रशीतन हमेशा उपलब्ध नहीं होता है। उनकी खाल से सख्त और उपयोगी चमड़ा मिलता है, जिसका उपयोग अक्सर जूतों के लिए किया जाता है। हड्डियों और सींगों से अक्सर आभूषण बनाए जाते हैं, विशेषकर बालियां। सींगों का उपयोग नेय और कवल जैसे संगीत वाद्ययंत्रों को सजाने के लिए किया जाता है।

आज का कार्टून

इस तरह रामचरित मानस बना धर्म शास्त्र

करीब पांच सौ साल पहले तक कोई धर्म ग्रंथ हिंदी में नहीं था। सभी धर्म ग्रंथ संस्कृत में थे और चूंकि मध्य काल में शिक्षा दीक्षा का चलन काफी कम हो गया था, भक्ति भावना या धर्म श्रद्धा के लिए लोग संस्कृत विद्वानों की ओर ही ताकते थे। ऐसा कोई शास्त्र नहीं था, जो लोगों की अपनी भाषा में हो। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस लिख कर एक समाधान दिया था, लोकिन कठिनाई यह थी कि विद्वानों और धमार्चार्यों ने इसे मान्यता नहीं दी। इसलिए धर्म भावना से भरे लोगों के मन में यह फांस अटकी रहती थी कि वे राम कथा से तो प्रेरणा ले रहे हैं लेकिन उनकी जानकारी का जो स्त्रोत है, वह धर्म शास्त्र नहीं है। क्योंकि धर्मशास्त्र तो संस्कृत में ही हो सकता है। पुरानी मान्यता है कि कोई शास्त्र अथवा ग्रंथ लोकप्रिय होने से स्वीकार्य नहीं हो जाता। स्वीकार्य वह रचना होती है जिसे विद्वतजनों ने मान्यता दी हो। तुलसीदास के मन में मानस की शुरूआत करते ही यह बात आई थी। उन्होंने हिंदी में ही रामकथा की रचना शुरू की। दो वर्ष सात महीने और छब्बीस दिन में सन- 1576 में यह रचना पूरी हुई। कहते हैं कि रचना लेकर गोस्वामी जी काशी चले गए। वहां विश्वनाथ मंदिर में पहली बार इसका पाठ किया। वहां पंडितों ने रचना को सराहा तो सही लेकिन संस्कृत में नहीं होने की वजह से इसे काव्य की मान्यता नहीं दी। गोस्वामीजी इससे क्षुब्ध हो गए। मानस के संबंध में प्रचलित किवदंतियों के अनुसार काशी विश्वनाथ मंदिर में रखे जाने के बाद ग्रंथ पर सत्यम, शिवम सुंदरम के साथ भगवान शिव का नाम लिखा मिला। अनुश्रुति के अनुसार यह काशी विश्वनाथ की स्वीकृति थी। लेकिन इस कहानी को मनगढंत माना गया है। रामचरितमानस के संबंध में इस तरह की कितनी ही कहानियां प्रचलित है जो उसकी महिमा को व्यक्त करती है। जैसे एक तो यही कि रामचरित मानस को चुराने के लिए चोर गए, वहां तुलसी की कुटिया में राम और लक्ष्मण पहरा देते हुए दिखाई दिए। इस तरह की तमाम किवदंतियों के बावजूद मानस को शास्त्र की मान्यता नहीं मिली थी। उस समय के प्रसिद्ध रामभक्त संत नाभादास ने मानस के महत्व को समझा और इस ग्रंथ को लेकर विद्वानों के पास गए। स्वामी ज्ञानानंद, हरीराम तर्कवागीश, गदाधर भट्टाचार्य, विश्वेश्वर सरस्वती, माधव

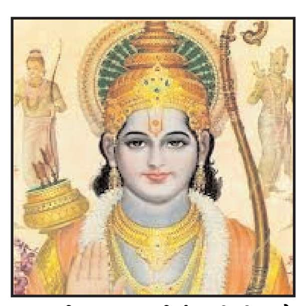

सरस्वती, नारायण तीर्थ आदि विद्वानों ने रामचरित मानस को देखा पढ़ा और सराहा, किंतु उसे शास्त्र की मान्यता देने में असमर्थता जताई। असमर्थता इसलिए कि इनमें से कोई भी विद्वान रामचरितमानस पर टिप्पणी करता तो यह उसकी अपनी राय होती। हरीराम तर्कवागीश ने राय दी कि प्रयाग पुंभ के समय सभी संतजन और विद्वान एकत्रित होंगे। ग्रंथ को उनके सामने रखा जाए, सभी संत और धमार्चार्य विचार करें फिर इस संबंध में सर्वसम्मति से इस विषय में कोई निर्णय लिया जाए। पुंभ पर्व में अभी सात वर्ष की देर थी। इसलिए साल भर बाद 1577 में होने वाले समष्टि समारोह (संत समागम) पर अर्धपुंभ पर उस बारे में विचार की बात सोची गई। यह अर्धपुंभ का अवसर भी था। संगीति की अध्यक्षता अद्वैत वेदांत के प्रमुख विद्वान मधुसूदन सरस्वती कर रहे थे। उन्होंने संगीति में उपस्थित सभी विद्वानों से ग्रंथ की परीक्षा के लिए कहा। इस काम में लगभग एक माह लगा। परीक्षा में ग्रंथ के चरितनायक, सर्ग अर्थात सृष्टि का वर्णन, धर्म मयार्दा, अर्थ, काम और मोक्ष तथा लोकरीतियों के संपूर्ण मार्गदर्शन की संभावना को परखना था। एक माह बाद सभी विद्वानों ने अपने अपने निष्क र्ष आचार्य मधुसूदन सरस्वती को सौंपे। माघ मेला समाप्त होने को था और उस वर्ष प्रयाग के तट पर पुंभ का आयोजन चल रहा था। आचार्य ने घोषणा की कि सभी विद्वानों ने रामचरितमानस में शास्त्र में निर्धारित विशेषताएं देखी और प्रमाणित की हैं। इसलिए मानस को धर्म शास्त्र माना जा सकता है। उल्लेखनीय है कि रामचरितमानस के बाद से अब तक किसी और ग्रंथ को धर्मशास्त्र की मान्यता नहीं मिली है। सिर्फ इसी ग्रंथ के सप्ताह नवाह्न और मास पारायण के विधि विधान निर्धारित हैं। हिंदी या भाषा का पहला धर्मशास्त्र है जिसके छंदों को मंत्रों की मान्यता मिली है। और बहुतों ने उनकी? साधना की है उसके सत्परिणाम देखे हैं।

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना। लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

धर्म और पर्यटन की दृष्टी से महत्वपूर्ण है महाकाल लोक

लेखक - निलय श्रीवास्तव

सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताएं, परम्परा भारत की पहचान हैं। अनादिकाल से यही सनातन परम्पराएं चली आ रही हैं। भारत के बारह ज्योर्तिलिंगों में उज्जैन प्रमुख है। पवित्र क्षिप्रा के तट पर स्थित भगवान भूतभावन भोलेनाथ का यह मंदिर आस्था तथा भक्ति के साथ - साथ ज्ञान के लिए भी विश्व विख्यात है। भगवान श्री कृष्ण की विद्यास्थली होने के कारण यहाँ का महत्व तीन गुना बढ़ जाता है। अस्तु क्षिप्रा का तट, शिव की नगरी और कृष्ण की पाठशाला। इतना ही नहीं उज्जैन नगर तंत्र साधना की झष्टि से भी सिद्ध है। उज्जैन नगरी धर्म, कला और संस्कृति का समन्वय है। यहाँ के सांस्कृतिक तथा पौराणिक स्थल विदेशी सैलानियों को आकर्षित करते हैं। प्राचीनकाल से ही यह नगरी ज्योतिष का प्रमुख केन्द्र रही है। आज भी भारत के सारे पंचांग उज्जैन की कालगणना पर आधारित होते हैं। राजा जयसिंह द्वारा स्थापित वैधशाला के जरिये ग्रहों की दशा और दिशा का आंकलन किया जाता था, यह क्रम आज भी जारी है।

भगवान कृष्ण, बलराम एवं सुदामा ने अपने गुरू महर्षि संदीपनि से तथा योगीराज भतृहरि ने अपने गुरू सत्येंद्रनाथ से क्षिप्रा नदी के तट पर शिक्षा प्राप्त की थी। क्षिप्रा के तट पर ही महाकवि कालीदास ने शंकुतला, रघुवंश और मेघदूत जैसी रचनाएं रची थीं। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी धर्म प्रेमी, आध्यत्म में रुचि रखने वाले तथा ईश्वर के प्रति अपार आस्थावान हैं। यही कारण है कि वे देश के प्राचीन धार्मिक स्थलों की साज सज्जा और उनके पुनरोद्धार के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हैं। उनके अथक प्रयासों से ही बनारस कॉरिडोर का भव्य और पावन निर्माण कार्य पूरा हुआ। वहाँ अब श्रद्धालुओं तथा दूसरे राज्यों से आने वाले सैलानियों को दर्शन करने में सुविधा हो रही है। यह पर्यटन की झ्ष्टि से भी महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। बनारस कॉरिडोर की तर्ज पर ही मध्यप्रदेश के उज्जैन में महाकाल ज्योतिर्लिग परिसर पर भी महाकाल लोक का निर्माण तथा पुनरोद्धार कार्य किया गया है। इस पुनीत कार्य में मध्यप्रदेश सरकार ने अपनी विशेष रुचि दिखायी थी और काम तेजी से चलकर फलीभूत हुआ। महाकाल लोक की भव्यता, सुंदरता देखकर सहज ही इस बात का प्रमाण मिल जाता है। महाकाल लोक न सिर्फ भव्य एवं दिव्य है बल्कि समूचे महाकाल परिसर को एक नूतन आभा प्रदान करता है। इसमें उज्जयिनी की सम्पूर्ण सांस्कृतिक विरासत की झलक दिख रही है, साथ ही उज्जैन में पर्यटन को बढ़ावा मिलने की अपार संभावनाएं भी बन गयी हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उज्जैन सहित मध्यप्रदेश में पर्यटन की झ्ष्टि से सैलानियों का आना - जाना भी बना रहेगा। इस तरह धर्म, वैभव, संस्कृति के अलावा व्यापारिक झ्ष्टि से भी महाकाल लोक अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस वर्ष श्रावण मास में महाकाल के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में आश्चर्यजनक बढ़ौत्तरी हुयी है। इनमें विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। श्रावण मास के प्रति सोमवार को महाकाल के दर्शन करने वालों की संख्या का आंकड़ा एक लाख से अधिक होने का अनुमान लगाया जा रहा है। धार्मिक मामलों में गहन रूचि रखने वालों का मानना है कि महाकाल लोक का स्थान देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों की अग्रिम पंक्ति में है। आने वाले समय में यहाँ आने वाले दर्शनार्थियों तथा पर्यटकों की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है। उज्जैन नगरी के मध्य में स्थित महाकाल लोक में प्रवेश के लिए आठ द्वार बनाये गये हैं। यहाँ प्रवेश के दौरान सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। सुरक्षाकर्मियों से लेकर प्रबंधन तक अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन करते हैं। महाकाल कॉरिडोर के प्रथम घटक में पैदल चलने के लिए उपयुक्त 200 मीटर लम्बा मार्ग है। इसमें 25 फीट ऊँची एवं 500 मीटर लम्बी म्युरल वॉल बनाई गई है। साथ ही 108 शिव स्तंभ, शिव की विभिन्न मुद्राओं सहित निर्मित हो चुके हैं जो अलग ही छटा बिखेर रहे हैं। बड़े रूद्र सागर की झील में स्वच्छ पानी भरा गया है। साथ ही यह सुनिश्चित किया गया है कि पानी स्वच्छ ही रहे। महाकाल थीम पार्क में भगवान श्री महाकालेश्वर की कथाओं से युक्त म्यूरल वॉल, सप्त सागर के लिए डैक एरिया एवं उसके नीचे शॉपिंग और बैठक क्षेत्र सुविधाएँ विकसित की गई हैं। इस तरह महाकालेश्वर भगवान के दर्शन मात्र से असीम आन्नद की अनुभूति होती है। मन प्रसन्न होता है एवं आध्यात्म और सांसरिक ज्ञान में अपार वृद्धि होती है। हम इस बात को गौरव के साथ कह सकते हैं कि हमारा सम्बंध उसी मध्यप्रदेश से है जहाँ महाकाल विराजते हैं।

प्रसंगतः झूठ के पाँव नहीं

बिहार के क्षेत्र में एक धनाढ्य रहता था। वह अपनी पुत्री मांगदिया का किसी सुंदर व श्रेष्ठ युवक से विवाह करना चाहता था। एक दिन उसने गौतम बुद्ध को देखा, तो उनके चेहरे के तेज से प्रभावित होकर अपनी पुत्री से शादी का प्रस्ताव उनके सामने रखा। गौतम ने विनम्रता से उत्तर दिया, 'मैं संसार त्याग चुका हूँ। विवाह कैसे कर सकता हूँ? युवती को इससे आघात लगा। कुछ दिनों बाद कौशांबी के राजा उदयन से मांगदिया का विवाह हो गया, पर विवाह के बाद भी उसके मन में बुद्ध के प्रति द्वेष बना रहा। एक दिन रानी मांगदिया को पता लगा कि गौतम बुद्ध कौशांबी आने वाले हैं। उनके स्वागत की भव्य तैयारी की जा रही है। उसे यह सहन नहीं हुआ। उसने चुपके से पूरे शहर में प्रचार करा दिया कि गौतम बुद्ध कपटी हैं। दुष्प्रचार का असर पड़ा और नगर में पहुँचने पर बुद्ध को अपमान झेलना पड़ा। शिष्य आनंद ने बुद्ध से कहा, 'भंते, आप जैसे श्रमण का अपमान सहा नहीं जा रहा। बुद्ध ने कहा, 'आनंद, झूठ के पाँव नहीं होते। सत्य सामने आता ही है। धैर्य रखो।' बुद्ध धैर्य के साथ नगर में रुक गए। राजा उदयन बुद्ध की महानता जानते थे। उन्हें ठेस पहुँची कि उनके राज्य में एक संत का अपमान किया गया है। वह रानी मांगदिया के साथ बुद्ध के दर्शन को गए। उन्होंने प्रजा की अज्ञानता की माफी माँगी। बुद्ध ने कहा, 'मेरा किसी ने अपमान नहीं किया। साधु को सम्मान की आकांक्षा नहीं करनी चाहिए। राजा-रानी और पूरी प्रजा सुखी - समृद्ध रहे, मेरा यह आशीर्वाद है।' बुद्ध के ये शब्द सुनकर रानी की आँखों से पश्चात्ताप की अश्रुधारा बह निकली। वह उनके चरणों में झुक गई।

18 साल बाद सहमति से अलग हो रहे पीएम टूडो और पत्नी सोफी

ओटावा। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो और उनकी पत्नी सोफी ग्रेगोइर टूडो ने घोषणा की कि वे 18 साल की शादी के बाद अलग हो रहे हैं। दोनों ने कहा कि उन्होंने कई सार्थक और कठिन बातचीत के बाद यह निर्णय लिया। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान में कहा गया है कि दोनों ने कानूनी अलगाव समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस जोड़े की शादी 2005 में हुई थी। उनके तीन बच्चे हैं। 51 वर्षीय टूडो और 48 वर्षीय ग्रेगोइरे ने मई 2005 में शादी कर ली। दस साल बाद, टूडो प्रधान मंत्री बने, जिससे यह तेज-तर्रार जोड़ा विश्व मीडिया की सुर्खियों में आ गया। टूडो, जिनके पिता पियरे इलियट टूडो भी 15 वर्षों तक कनाडा के प्रधानमंत्री थे, ने राजनीति में आने से पहले एक स्कूल शिक्षक के रूप में काम किया था। वे अक्सर सार्वजनिक रूप से प्यार का इजहार करते थे और एकता प्रदर्शित करते थे, खासकर जन्मदिन और वर्षगाँठ पर, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, उनके विवाहित जीवन में उतार-चढ़ाव देखा गया है।

टूडो, 2014 आत्मकथा, कॉमन ग्राउंड में कहा था कि हमारी शादी सही नहीं है, और हमारे बीच कठिन उतार-चढ़ाव आए हैं, फिर भी सोफी मेरी सबसे अच्छी दोस्त, मेरी साथी, मेरा प्यार बनी हुई है। हम एक-दूसरे के प्रति ईमानदार हैं, भले ही दुख हो। ग्रेगोइरे टूडो ने बताया कि कोई भी शादी आसान नहीं है। मुझे इस तथ्य पर लगभग गर्व है कि हमें कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, हां, क्योंकि हम प्रामाणिकता चाहते हैं। हम सच्चाई चाहते हैं। हम अपने जीवनकाल के दौरान व्यक्तियों के रूप में करीब आना चाहते हैं और हम दोनों सपने देखने वाले हैं और हम बनना चाहते हैं जब तक हम कर सकते हैं तब तक साथ रहें।

भारत ने बातचीत से किया इंकार तो तो बौखलाए पाक पीएम, नौसेना की दी धौंस

इस्लामाबाद। भारत ने पाकिस्तान से बातचीत करने से इंकार कर दिया तो पाकिस्तानी पीएम की बौखलाहट सामने आ गई है। वह अब नौसेना की धौंस दिखा रहे हैं। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ एक बार फिर से भारत से करारा झटका लगने के बाद बौखला से गए हैं। शहबाज ने अभी दो दिन पहले ही भारत से गुहार लगाई थी कि वह बातचीत शुरू करे। भारत ने शहबाज के इस प्रस्ताव को भाव नहीं दिया तो अब पाकिस्तानी पीएम ने जहरीला बयान दिया है। शहबाज ने तुर्की से युद्धपोत मिलने के बाद एक कार्यक्रम में भारत पर हमला बोला और कहा कि कुछ तत्व इस क्षेत्र में अपना आधिपत्य स्थापित करने की रेस में हैं। इस बीच अमेरिका ने पाकिस्तान को साफ कह दिया है कि वह कोई मध्यस्थता नहीं करेगा और दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत का वह समर्थन करता है। भारत को बातचीत का ऑफर करने के एक दिन बाद शहबाज शरीफ ने कहा, कि क्षेत्र में कुछ तत्व अपना आधिपत्य स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं और प्रभाव का क्षेत्र बनाना चाहते हैं। इस वजह से यह और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है कि हम अपनी नौसेना को मजबूत करें। साथ ही समुद्री अभियानों को बढ़ाएं। शहबाज शरीफ ने तुर्की से मिले एक युद्धपोत से जुड़े कार्यक्रम में यह बयान दिया।

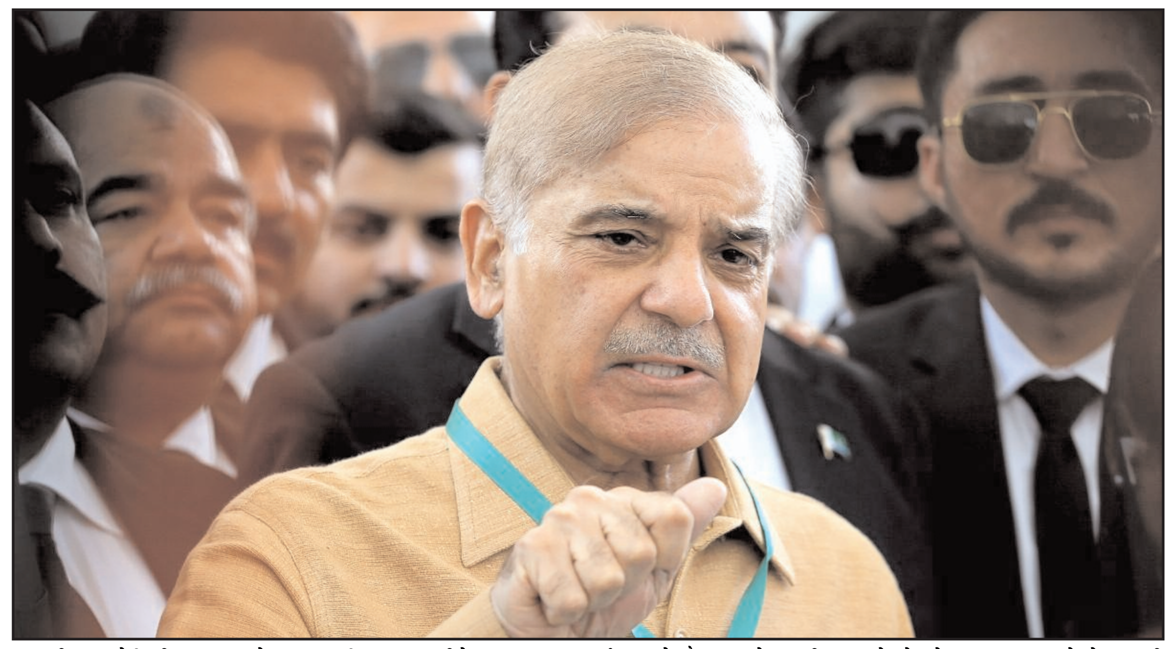

इस बीच अमेरिकी सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि उनका देश भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे संवाद का समर्थन करता है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ह्यजैसा कि हम लंबे समय से कहते रहे हैं, हम भारत और पाकिस्तान के बीच चिंताजनक मुद्दों पर सीधे संवाद का समर्थन करते हैं। बता दें कि पाकिस्तान अक्सर अमेरिका से भारत के साथ विवाद सुलझाने में मध्यस्थता के लिए गुहार लगाता रहता है। हालांकि अब अमेरिका ने साफ कर दिया है कि दोनों देशों को खुद ही बातचीत करना होगा। वहीं भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में कह दिया है कि जब तक सीमापार से हो रहे आतंकवाद को रोका नहीं जाता है तब तक कोई बातचीत नहीं होगी। इससे पहले शहबाज शरीफ ने भारत से बातचीत की गुहार लगाई थी। शहबाज ने कहा था कि अगर भारत गंभीरता दिखाता है तो पाकिस्तान बातचीत को तैयार है, युद्ध अब कोई विकल्प नहीं है।

राष्ट्रपति जो बाइडेन की अप्रूवल रेटिंग में दिखी बढ़त, ट्रंप भी नहीं हैं पीछे

न्यूयॉर्क। चुनावों को लेकर राष्ट्रपति जो बाइडेन की अप्रूवल रेटिंग में मामूली वृद्धि देखी गई है। हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण के अनुसार यह दावा किया जा रहा है कि 2024 के राष्ट्रपति पद के लिए तैयारी में लगे बाइडेन को इससे मजबूती मिलेगी। हालांकि डेमोक्रेट्स उनकी दोबारा चुनाव की दावेदारी को लेकर बंटे हुए थे। लेकिन अब बड़े पैमाने पर उन्हें अपने प्रतिनिधि के रूप में स्वीकारा जा रहा है। हालांकि आधे अभी भी एक वैकल्पिक उम्मीदवार को पसंद करते हैं। डेमोक्रेट्स के बीच रेपो में सुधार के बावजूद, 2024 के चुनाव के लिए एक काल्पनिक रीमैच में बाइडेन को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। सर्वेक्षण में दोनों 43 प्रतिशत पर बराबरी पर हैं। आपराधिक आरोपों के लंबित होने के बावजूद भी ट्रम्प ने संभावित रिपब्लिकन प्राथमिक मतदाताओं के बीच प्रभावशाली बढ़त बनाए रखी। जबकि जो बाइडेन का उनकी पार्टी के भीतर समर्थन व्यापक प्रतीत होता है, लेकिन कई डेमोक्रेट उदासीन उत्साह दिखा रहे हैं। केवल 20 प्रतिशत डेमोक्रेट्स ने कहा कि वे 2024 के उम्मीदवार के रूप में बाइडेन को लेकर उत्साहित हैं, 51 प्रतिशत उनके काम से तो संतुष्ट हैं लेकिन बहुत ज्यादा उत्साहित नहीं। इसके विपरीत, 26 प्रतिशत ने संभावित उम्मीदवार के रूप में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के प्रति उत्साह व्यक्त किया। बाइडेन की 39 प्रतिशत की वर्तमान अप्रूवल रेटिंग एक मौजूदा राष्ट्रपति के लिए फिर से चुनाव के लिए ऐतिहासिक रूप से कम है, लेकिन पिछले जुलाई में 33 प्रतिशत से सुधार देखा गया है। एक साल पहले 13 प्रतिशत की तुलना में अब 23 प्रतिशत अमेरिकी मानते हैं कि देश सही रास्ते पर है। 2022 में 10 प्रतिशत की तुलना में अधिक संख्या में अमेरिकी अर्थव्यवस्था को अच्छी स्थिति में देखते हैं।

बाढ़ से आई भारी तबाही ने हिला दिया चीन को, जलसैलाब से मचा हाहाकार

बीजिंग। भारी बारिश के चलते चीन इस वक्त भयंकर बाढ़ की चपेट में है। चीन की राजधानी बीजिंग हर जगह जलमग्न नजर आ रही है। चीन में हो रही भीषण बारिश के चलते उत्तरी और दक्षिणी चीन में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। देश भर में अगले कुछ दिनों में दो या तीन तूफान आने की आशंका है। इसके चलते चीनी प्रशासन ने अपने लोगों को अगस्त के महीने में बाढ़, तूफान और कुछ स्थानों पर सूखा पड़ने की चेतावनी जारी की है। इस वक्त तूफान डोक्सुरी के चलते शनिवार से बीजिंग और पड़ोसी हेबेई प्रांत में लगातार बारिश हो रही है, जिससे वहां भीषण बाढ़ आ गई है। अबतक इस बाढ़ के चलते 20 लोगों की मौत हो गई है। यहां भयंकर बाढ़ और तूफान के चलते चीन की राजधानी बीजिंग में अबतक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें दो लोग तो राहत और बचाव का काम करने के दौरान अपनी ड्यूटी के दौरान मारे गए। यहां पर अबतक 13 लोग लापता हैं, जिनकी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। जानकारी के अनुसार उत्तरी चीन के पूर्वी हिस्सों के अलावा पूर्वोत्तर चीन, दक्षिण चीन के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्से और चीन के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्रों के दक्षिणी हिस्से में औसत से अधिक बारिश हो रही है। इसके कारण पहाड़ी बाढ़, शहरी जलभराव, खेतों में जलभराव हो रहा है। यहां पर प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी अधिक होने की संभावना है। इन क्षेत्रों में तेज हवाएं चल रही हैं और ओले पड़ने की भी स्थिति बनी हुई है।

साथ ही यांग्त्जी नदी की ऊपरी क्षेत्र, पोयांग झील, पीली नदी और सोंगहुआ नदी की ऊपरी क्षेत्रों में बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। क्षेत्रीय तूफान और बाढ़ हुइहे, ताइहू झील, जुजियांग नदी और हैनान द्वीप की नदियों के जलमार्गों को प्रभावित कर सकते हैं। चीनी अधिकारियों ने लोगों को अगस्त में उत्तरी चीन, पूर्वोत्तर चीन, उत्तरपश्चिमी चीन के दक्षिणपूर्वी हिस्से और पूर्वी चीन में आंधी और तूफान के प्रभाव के कारण भूवैज्ञानिक आपदा जोखिमों के बारे में चेतावनी दी। वहीं चीनी सरकार द्वारा दिए गए आधिकारिक बयान के मुताबिक यांग्त्जी नदी के उत्तरी हिस्सों में समय-समय पर अधिक तापमान और सूखे से पीड़ित होने की संभावना है।

चीन की अर्थव्यवस्था में भले ही गिरावट, लेकिन कंडोम बिक्री में हुई बढ़ोतरी

बीजिंग। चीन की अर्थव्यस्था में भले ही भारी गिरावट आई हो, लेकिन कंडोम की ब्रिकी में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। इसका सीधा अनुमान यहां बढ़ रही बेरोजगारी से लगाया जा रहा है। चीनी कंपनियों का निर्यात भी कम हो गया और मुनाफा भी नहीं हो रहा है, वहीं कंडोम बेचने वाली कंपिनयों को 8.8 प्रतिशत मुनाफा दर्ज हुआ है। जानकार बता रहे हैं कि अपनी विस्तारवादी सोच के बावजूद चीन की अर्थव्यवस्था में लगातार गिरावट की खबरें आ रही हैं। कोराना वायरस के बाद से ही यहां बेरोजगारी तेजी से बढ़ी है। बाजार की हालत भी खराब है, लेकिन इन सबके बीच यहां कंडोम की बिक्री में खासा उछाल देखा जा रहा है। इससे कंडोम निमार्ता कंपनियों की कमाई जबरदस्त तरीके से बढ़ रही है। चीन के अर्थशास्त्री भी इस बात से हैरान हैं कि अर्थव्यवस्था गिर रही है तो दूसरी तरफ युवा भारी मात्रा में कंडोम खरीद रहे हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जून में चीन की खुदरा बिक्री मई महीने से 12.7 प्रतिशत की वृद्धि से गिरकर 3.1 प्रतिशत हो गई है। यहां खुदरा बिक्री और निर्यात में भारी गिरावट आई है। इसका असर नौकरियों पर भी दिखा है, बड़ी संख्या में युवाओं को बेराजगार है। ज्यादातर युवा घर पर बेरोजगार बैठे हैं और इसी को चीन में कंडोम की बिक्री काफी हद तक बढ़ जाने का कारण भी माना जा रहा है। चीन में दिन प्रतिदिन कंडोम कंपनियों का मुनाफा यहां तेजी से बढ़ रहा है। फिलहाल अर्थशस्त्री भी कंडोम की बिक्री में हो रहे इजाफा को लेकर हैरान हैं। कोविड काल में भी चीन में कंडोम की बिक्री बढ़ गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ड्यूरेक्स कंडोम के निमार्ता रेकिट ने बुधवार को कहा, चीन में भारी मंदी के बावजूद लोग कंडोम खरीद रहे हैं। इसकी बिक्री में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। कंडोम की बिक्री में लगातार वृद्धि से कंपनियों और निवेशकों को भी चिंता सताने लगी है। ड्यूरेक्स कंपनी का कहना है कि चीन के बाजार में लॉकडाउन के दौरान भी कंडोम की बिक्री में कोई कमी दर्ज नहीं हुई थी। कंपनी ने नतीजे जारी करते हुए कहा कि उसके व्यवसाय में 8.8 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि हुई है। ड्यूरेक्स कंपनी की तरफ से यह भी विचार किया जा रहा है कि कंपनी भविष्य को लेकर कुछ नए प्रोडक्ट्स बाजार में उतार सकती है।

तुर्की सेना ने इराक में तीन आतंकवादियों को मार गिराया

अंकारा। तुर्की सुरक्षा बलों ने उत्तरी इराक के जैप क्षेत्र में प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के तीन आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना ने यह जानकारी दी। तुर्की रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार यह उत्तरी इराक में तुर्की सशस्त्र बलों द्वारा चल रहे ऑपरेशन क्लॉ-लॉक का हिस्सा है। जनवरी में मंत्रालय ने कहा था कि तुर्की ने जैप क्षेत्र में लगभग सभी पीकेके आतंकवादियों का सफाया कर दिया है, एक एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2022 में पीकेके आतंकवादियों के खिलाफ सीमा पार ऑपरेशन क्लॉ-लॉक शुरू होने के बाद से 506 पीकेके आतंकवादियों को खत्म कर दिया गया। तुर्की सुरक्षा बलों ने हाल ही में उत्तरी इराक में पीकेके के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है, विशेष रूप से समूह के मुख्य आधार कंदील पर्वत में, और कई वरिष्ठ पीकेके कैडरों को मार डाला है।

तुर्की अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध पीकेके ने तीन दशकों से अधिक समय से तुर्की सरकार के खिलाफ विद्रोह छेड़ रखा है।

इतिहास

1789 फ्रांस में जमींदारी प्रथा समाप्त हुई.
1845 प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और वकील फिरोजशाह मेरवानजी मेहता का जन्म.
1914 प्रथम विश्व युद्ध जर्मनी के खिलाफ जंग का ऐलान किया और अमरीका ने तटस्थ रहने की बात कही.
1916 डेनमार्क ने अपने द्वीप अमरीका को ढ्राई करोड़ डॉलर में बेच दिए.
1929 लोकप्रिय गायक किशोर कुमार का जन्म खंडवा में हुआ.
1935 भारत सरकार अधिनियम को शाही स्वीकृति मिली.
1956 भारत की प्रथम परमाणु अनुसंधान भट्ठी अप्सरा ने काम करना शुरु किया.
1971 अमरीकी अपोलो 15 ने चांद से धरती के लिए यात्रा शुरु की थी.
1976 सरकार का तख्ता पलटने के आरोप में सूडान में 81 व्यक्तियों को मौत के घाट उतार दिया गया.
1986 ब्रिटेन की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की घोषणा.
1991 जिम्बाब्वे में बस के नदी में गिर जाने से 87 लोगों की मौत हो गई.
2001 पाकिस्तान समर्थक उग्रवादियों ने कश्मीर के डोडा जिले में 21 हिंदुओं पर गोलीबारी की जिसमें 17 लोग मारे गए.

पुलिस की छापेमारी से मचा हड़कंप, गोलीबारी में 45 लोगों की गई जान

ब्राजीलिया। ब्राजील में ड्रग माफिया पर छापेमारी के दौरान हडकंप मचने से हुई गोलीबारी में अब तक 45 लोगों के मारे जाने की खबर है। मिली जानकारी के अनुसार ब्राजील के तीन राज्यों में ड्रग गिरोहों को निशाना बनाकर पुलिस ने छापेमारी की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रियो डी जनेरियो में बुधवार को पुलिस के नवीनतम ऑपरेशन में, कॉम्प्लेक्सो दा पेन्हा शहर के उत्तर में गोलीबारी के दौरान 10 लोग मारे गए। मृतकों में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाला एक सरगना भी शामिल है, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। शहर की सैन्य पुलिस ने कहा कि खुफिया सूचना के बाद कॉम्प्लेक्सो दा पेन्हा में ऑपरेशन शुरू किया गया था। सूचना में था कि इलाके में नशीली दवाओं के तस्करों की एक बैठक हो रही है। कॉम्प्लेक्सो दा पेन्हा के आसपास के स्कूल बुधवार को नहीं खुले, इससे लगभग 3,220 छात्रों को घर पर ही रहना पड़ा। गौरतलब है कि रियो डी जनेरियो ब्राजील के सबसे हिंसक राज्यों में से एक है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उत्तर-पूर्वी राज्य बाहिया में, 28 जुलाई से सोमवार के बीच तीन शहरों साल्वाडोर, इतातिम और कैमाकारी में पुलिस और गिरोह के सदस्यों के बीच झड़पें हुईं। कैमाकारी में, 28 जुलाई को सात लोग मारे गए, जबकि इतातिम ने रविवार को हिंसक झड़पों के दौरान आठ लोगों की मौत की सूचना दी। इसी तरह साल्वाडोर में पुलिस और सशस्त्र संदिग्धों के बीच झड़प में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि स्कूल भी मंगलवार को बंद रहे। बाहिया ऑपरेशन के दौरान बंदूकें, फोन और ड्रग्स जब्त किए गए। साओ पाओलो राज्य में ऑपरेशन शील्ड नामक पांच दिवसीय पुलिस छापे के दौरान 16 लोग मारे गए और 58 अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया। यह ऑपरेशन 28 जुलाई को तटीय शहर गुआरुजा में एक विशेष बल के पुलिस अधिकारी की हत्या के बाद शुरू हुआ। हालांकि पुलिस कार्रवाई की व्यापक निंदा भी हुई है। न्याय मंत्री फ्लेवियो डिनो ने गुआरुजा में ऑपरेशन की आलोचना की, उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई आक्रामक थी।

मेटा ने फेसबुक-इंस्टाग्राम से हटाई न्यूज, समाचार अधिनियम का दिया हवाला

लंदन। अब फैसबुक व इंस्टाग्राम पर समाचार पढ़ने को नहीं मिलेंगे। ऐसा इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि न्यूज पब्लिशर्स ने पैसे की मांग कर दी थी। इसलिए मेटा ने मंगलवार से यह कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फेसबुक और इंस्टाग्राम पर दिखने वाली न्यूज अब मेटा ने ब्लॉक करनी शुरू कर दी है। इतना ही नहीं कनाडा में लोग अब फेसबुक और इंस्टाग्राम पर समाचार को नहीं पढ़ पाएंगे। दरअसल, मेटा ने यह फैसला उस कानून के विरोध पर लिया जिसमें कहा गया- सोशल मीडिया कंपनियों को अब समाचार के बदले न्यूज पब्लिशर्स को भी पैसे देने होंगे। ऐसे में मेटा ने अब अपने दोनों प्लेटफार्म से न्यूज हटाना शुरू कर दिया है। मेटा ने एक बयान जारी कर कहा कि समाचार प्रकाशकों द्वारा फेसबुक और इंस्टाग्राम पर शेयर किए समाचार लिंक को ब्लॉक कर दिया गया है और वे किसी भी यूजर्स को नहीं दिखेंगे। इसके अलावा मेटा ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर न्यूज शेयरिंग को भी बंद कर दिया है। इसकी शुरूआत मंगलवार से हो गई है और यह कई हफ्तों तक चलेगी। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया के बाद अब कनाडा में ऑनलाइन समाचार अधिनियम पेश किया गया है। दरअसल, कनाडा के कई मीडिया हाउस पिछले कुछ साल में बंद हो गए हैं जिससे लाखों डॉलर का नुकसान हुआ है। नए कानून के मुताबिक सोशल मीडिया कंपनियों को मीडिया हाउस के साथ साझेदारी करनी होगी और खबरों के बदले न्यूज पब्लिशर्स को पैसे देने होंगे। नए कानून के तहत कनाडाई अखबारों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से प्रति वर्ष लगभग 330 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,719 करोड़ रुपये प्राप्त हो सकते हैं। ऐसे में मेटा का कहना है कि उसके प्लेटफॉर्म पर खबरों को शेयर करने से मीडिया हाउस को फायदा होता है। उन्हें नए-नए पाठक मिलते हैं और उनकी खबरों की पहुंच ग्लोबली होती है।

साइबर अपराध समाज व देश हित के लिए बेहद चिंताजनक : चंदन सिंह

आजकल हमारा दैनिक जीवन प्रौद्योगिक तकनीक व इंटरनेट पर पूर्ण रूप से निर्भर करता है। हम सभी इंटरनेट के आदी होते जा रहे हैं और हो भी क्यों नहीं, क्योंकि सहोलीयत के साथ साथ समय कि पूरी बचत है। ऐसे में लोग इंटरनेट का उपयोग करने वाली जनसंख्या का प्रतिशत दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा एक तरह से इंटरनेट पर निर्भर होती जा रही है। ऐसे में अपराधी और आतंकी के द्वारा भी नई प्रौद्योगिक तकनीक व इंटरनेट को अपनाने से विश्व भर में असामान्य खतरे लेकर आई हैं और साइबर-अपराध एक ऐसी अवधारणा है। यह एक ऐसा अपराध है जिसमें हैकिंग, स्पैमिंग आदि जैसे हमलों के लिए कंप्यूटर का उपयोग किया जाता है। अभी पिछले हफ्ते हरियाणा के नूंह में घटित घटना से आप सभी वाकिफ ही होंगे जिसमें साइबर अपराधियों का योगदान सर्वोच्च था। सोशल मीडिया पर समाज विरोधी संदेश वाईरल कर हिंसा को अंजाम दिया और फिर साइबर थाने में हमला कर सभी सबूतों को भी नष्ट कर दिया।

देखा जाए तो दुनिया भर में साइबर अपराधों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है जो समाज व देश के लिए खतरा ही नहीं बल्कि बेहद चिंता करने बाली मसला है। साइबर-अपराधियों से बचाव और सुरक्षा के लिए हमें बहुत सारे कानूनों की आवश्यकता है क्योंकि व्यवसायों और संचार के लिए जिन उपकरणों का हम प्रतिदिन उपयोग करते हैं उनमें कमजोरियां ढूंढ कर अपराधी उसका फायदा उठा कर अपराध को अंजाम देते है। तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के साथ ही साइबर अपराध के मामलों में भी बेतहाशा बढ़ोत्तरी दर्ज हो रही है। इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि एक साल में ही इसके आंकड़े कुछ हजार से बढ़कर दस लाख से भी ज्यादा हो गये है। वैसे देश भर में इस मामले को लेकर जागरूकता बढ़ी है और सरकार ने भी 2000 में आईटी एक्ट बनाया और 2008 में इसे संशोधित भी किया लेकिन इसके बावजूद साइबर क्राइम को रोकना मुश्किल हो रहा है। दुनिया का सबसे मजबूत कंप्यूटर नेटवर्क भी हैकरों से सुरक्षित नहीं है। दिन-ब-दिन बढ़ती साइबर अपराध कि मामले कि बात करें तो आंकड़े बहुत ही चिंताजनक है।

गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले एनसीआरबी के द्वारा जारी किए गए रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2021 में साइबर अपराध के 52,974 मामले दर्ज किए गए जो 2020 (50,035 मामले) से करीब 5 प्रतिशत अधिक और 2019 (44,735 मामले) से करीब 15 प्रतिशत अधिक हैं। वहीं सूत्रों के अनुसार 2023 की पहली तिमाही के दौरान भारत में औसत साप्ताहिक हमलों में 2022 की इसी अवधि की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो कि चिंताजनक है। साथ ही साइबर क्राइम पोर्टल पर दर्ज हो रहे साइबर क्राइम की शिकायतें संख्या भी हैरान करने वाली है। अगर इस का आंकलन दिनों के हिसाब से करें तो साइबर अपराध को लेकर प्रतिदिन 1826 शिकायतें दर्ज हो रहीं हैं।

वैश्विक स्तर पर चाहे विकसित या विकासशील, कोई भी राष्ट्र हो, साइबर क्राइम, सभी के लिए एक बड़ी चुनौती के तौर पर सामने आ रहा है। हालांकि अपने देश में सरकार के द्वारा लोगों को जागरूक कर इस अपराध और धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए नेशनल हेल्पलाइन नंबर व वेबसाइट भी जारी किया गया है। पीआईबी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से किए गए एक ट्वीट के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने साइबर क्राइम रिपोर्ट करने के लिए तात्कालिक सेवा 155260 शुरू की थी, जिसे अब बदलकर टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1930 कर दिया गया है और मंत्रालय की साइबर पोर्टल https://cybercrime.gov.in/ पर शिकायत दर्ज कराने के लिए जारी किया गया है।

साथ ही देश में साइबर अपराध से निपटने और लोगों को इसके खतरों से जागरूक कराने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कुछ कदम उठाए हैं, इसके मद्देनजर 10 जनवरी 2020 को साइबर अपराध से 'समन्वित और व्यापक' तरीके से निपटने के लिए 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (क्4उ)' की स्थापना भी की गई है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 (आईटी एक्ट 2000) की धाराएं 43, 43ए, 66, 67, 67ए, 70, 72, 72ए और 74 हैकिंग और साइबर अपराधों से संबंधित है ये सभी धाराएं लागू की गई है। साथ ही साथ कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा किया गया है जैसे कि सभी डिवाइसों में मजबूत पासवर्ड लगाएं, वायरस से बचने के लिए एंटी-वायरस और एंटी-स्पाइवेयर का भी इस्तेमाल करें, सॉफ्टवेयर को नियमित तौर पर अपडेट करते रहें। सॉफ्टवेयर विश्वनीय साइटों से ही डाउनलोड करें। पब्लिक वाई-फाई का इस्तेमाल करने से बचें और ऐप्स को कम से कम परमिशन दें साथ ही सोशल मीडिया पर समाज विरोधी संदेश को नजरंदाज करें इत्यादि।

DELHI CRIME 1-15 aug 2023:Layout 1 8/9/2023 1:17 PM Page 4

उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर में थाना क्षेत्र शाहपुर के अंतर्गत आने वाली हरसौली पुलिस चौकी पर उप निरीक्षक (एस.आई.) मोहित तेवतिया को दिल्ली क्राईम राष्ट्रीय समाचार पत्र के उद्देश्यों से अवगत कराकर न्यूजपेपर के कॉपी देते हुए, रिपोर्टर निखिल सैनी व कैमरा सहयोगी रवि शंकर सैनी।

दिल्ली के लक्ष्मी नगर स्थित दिल्ली क्राइम प्रेस के हेड ऑफिस में पंकज दास की टीम (एरिया एडवाइजर) संतोष कुमार झा के नेतृत्व में न्यूज सपोर्टर रविन्दर मिश्रा को डायरी दे कर सम्मानित किया गया

जनपद मुजफ्फरनगर कचहरी परिसर में में एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत को दिल्ली क्राइम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा नेशनल हिंदी न्यूज पेपर के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देकर अखबार और प्रेस की डायरी देकर सम्मानित करते हुए रिपोर्टर सत्येंद्र सैनी

श्री गुरु रविदास जन्म उत्सव कमेटी दिल्ली के प्रधान ब्रहम प्रकाश बुलाकी, दिल्ली क्राइम के रिपोर्टर एवं श्री गुरु रविदास जन्म उत्सव कमेटी के महासचिव रोहताश कुमार कमेटी के पूर्व महामंत्री तेज सिंह राजेश ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से की मुलाकात

दिल्ली क्राइम के टीम लीडर सुशील कुमार करनाल हरियाणा के मोहरी गांव निवासी के पूज्य पिताजी श्री बारु राम जी का स्वर्गवास 28 जुलाई 2023 को गया है दिल्ली क्राइम के पूरे परिवार की तरफ से प्रार्थना है की भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे

दिल्ली क्राइम प्रेस के सीनियर लीडर राजकुमार कश्यप और रिपोर्टर अनीता सिंह ने शकरपुर थाने के एसएचओ संजय गुप्ता को दिल्ली क्राइम प्रेस से अवगत करवाने के साथ पेन और डायरी देकर उन्हें सम्मानित किया

दिल्ली क्राइम के लीडर डॉक्टर मोहम्मद आसिफ ने शाहिद खान को उनका कार्ड पहनाकर सम्मानित किया

पूनम शर्मा को दिल्ली क्राइम प्रेस में ज्वाइन होने पर लीडर मुकेश गुप्ता ने उनकी किट देकर किया उनका स्वागत

दिल्ली क्राइम प्रेस के हेड ऑफिस में रविवार को आयोजित मीटिंग में सीनियर लीडर राजकुमार कश्यप, चंदन सिंह, वीरेंद्र सिंह बघेल, अशोक कुनार और सह कार्यकारी संपादक दिनेश शर्मा अन्य लीडरों के साथ मीटिंग लेते हुए

दु:खित समाचार – बहुत दु:ख के साथ आप सभी साथियों को सूचित करना पड़ रहा है कि दिल्ली क्राइम प्रेस के सूरत टीम के जोनल एडवाइजर एंड रिपोर्टर रविंद्र खैरनार जी का हार्ट अटैक आने से स्वर्गवास हो गया भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को ये दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें

प्रदेश में खनन के नये ब्लॉकों को चिह्नित करके बढ़ाया जाए खनिज उत्पादन : मुख्यमंत्री

– मुख्यमंत्री योगी ने की भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की समीक्षा, दिए निर्देश

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभाग के प्रस्तुतीकरण का अवलोकन कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि एनजीटी के आदेशों का अनुपालन करते हुए प्रदेश की नदियों का समय पर ड्रेजिंग कराने का कार्य हर हाल में पूरा किया जाए। इससे बाढ़ की समस्या का समाधान होने के साथ ही नदियों को चैनलाइज करने में भी मदद मिलेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री ने खनन और सिंचाई विभाग को मिलकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश में खनन के नये ब्लॉकों को चिह्नित करते हुए खनिज उत्पादन बढ़ाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि प्रदेश में ईंट उत्पादन के लिए उपजाऊ भूमि से मिट्टी निकालने की जगह वैकल्पिक स्त्रोतों का इस्तेमाल किया जाए। ईंट-भट्ठों को उसके लिए प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री ने एम सैंड को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए और कहा कि इससे नदी तंत्र की परिस्थितिकी को संरक्षित करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान प्रदेश में खनन पट्टों को बढ़ाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय एनओसी को शीघ्र प्रदान करने के लिए विभाग गंभीर प्रयास करे। उन्होंने अवैध खनन पर हर हाल में अंकुश लगाने और इंटीग्रेटेड माइनिंग सर्विलांस सिस्टम को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न सीमावर्ती जिलों में कार्यरत 39 चेकगेट्स पर तकनीकी का उपयोग करते हुए बालू, मोरम, बोल्डर सहित अन्य खनिजों की माल ढुलाई के दौरान विशेष निगरानी

बरती जाए। ओवरलोडिंग को हर हाल में रोका जाए। इसके साथ ही चेकगेट्स की संख्या भी बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री ने बाजार मूल्य के हिसाब से खनिजों का मूल्य निर्धारित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके अलावा मेजर ब्लॉक की नीलामी के लिए नीतियों में आवश्यक परिवर्तन करने के भी निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने नदियों के रेप्लेनिशमेंट स्टडी में लगने वाले समय को और कम करने के निर्देश भी दिये। साथ ही एम सैंड के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया, जिससे नदियों के पारिस्थितिकी पर प्रतिकूल प्रभाव को न्यून किया जा सके। उन्होंने प्रदेश के विकास कार्यों को गति प्रदान करने के लिए भविष्य में बालू, मोरम का विकल्प उपलब्ध कराने पर जोर दिया। योगी ने प्रदेश में अधिकाधिक नये भंडारण को स्वीकृत करने के लिए प्रक्रिया के सरलीकरण को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही अलग-अलग उपखनिजों के लिए भंडारण की अवधि को निर्धारित करने के लिए भी अधिकारियों को कहा। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रदेश में फॉस्फोराइट, पोटाश, आयरन, प्लेटिनम समूह, स्वर्णधातु, सिलीमेनाईट, ऐडालुसाइट और लाइमस्टोन के 19 ब्लॉक ऑक्शन के लिए तैयार हैं। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2022-23 में 6762 लाख क्यूबिक मीटर उपखनिजों का उत्पादन प्रदेश में हुआ है, जिससे 3367.26 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही की राजस्व प्राप्ति 95.6 प्रतिशत यानी 1093.6 करोड़ रुपये है, जोकि पिछले साल की पहली तिमाही की तुलना में 356.6 करोड़ रुपये अधिक है। प्रदेश के खनिज राजस्व में उपखनिजों का योगदान 70 प्रतिशत है। इसमें साधारण बालू, मोरम, गिट्टी, बोल्डर उपखिनज संसाधनों का 91 प्रतिशत योगदान देता है।

मोदी सरनेम मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर लगाई रोक, कांग्रेस में खुशी का माहौल

नई दिल्ली। मोदी सरनेम मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी है। जिसके बाद कांग्रेस में खुशी का माहौल है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा की साजिश आज नाकाम हो गई है। यह हमारी बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर वह लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखेंगे और हालात से अवगत कराएंगे। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा कि राहुल गांधी भाजपा से डरने वाले नहीं हैं। वह अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सत्य और न्याय की जीत है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद करते हुए कहा कि गौतम

बुद्ध ने कहा था कि तीन चीजें (सूर्य, चंद्रमा और सत्य) देर तक नहीं छुप सकते हैं। यह सत्य की जीत है। उल्लेखनीय है कि मोदी सरनेम मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी है। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि सूरत की निचली अदालत ने अधिकतम सजा देकर गलती की है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश का मतलब ये है कि राहुल गांधी की संसद सदस्यता दोबारा बहाल होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस केस में अधिकतम सजा होने के चलते राहुल की सदस्यता गई, पर निचली अदालत के जज ने फैसले में ये साफ नहीं किया कि अधिकतम सजा तय करने की वजह क्या है?

सशस्त्र बलों की मजबूती के लिए रक्षा मंत्री ने पेश किया विधेयक, लोकसभा में पारित

नई दिल्ली। अंतर-सेवा संगठन विधेयक-2023 लोकसभा में पारित हो गया। लोकसभा में विधेयक पेश करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सैन्य सुधारों की दिशा में यह विधेयक एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इसमें कोई अतिरिक्त वित्तीय प्रभाव सम्मिलित नहीं है। यह बिल दो महत्वपूर्ण मकसदों को एक साथ पूरा करता है। यह हमारे सशस्त्र बलों के तीनों अंगों के बीच एकीकरण तथा संयुक्तता की दिशा में बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों का एकजुट और एकीकृत तरीके से मुकाबला कर सकेंगे। लोकसभा में राजनाथ सिंह ने कहा कि यह बिल एक ऐसा वातावरण बनाने में भी मदद करेगा, जो हमारे अंतर सेवा संगठन में अनुशासन को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि यह बिल मौजूदा सेवा अधिनियमों में किसी भी बदलाव का प्रस्ताव नहीं करता है। यह बिल केंद्र सरकार को अंतर-सेवा संगठनों के गठन की घोषणा करने की भी शक्ति प्रदान करना प्रस्तावित करता है। 'स्टैंडिंग कमेटी ऑन डिफेंस' 2022-

23 ने इस बिल में बिना किसी संशोधन के मंजूरी दे दी है। इसमें कोई अतिरिक्त वित्तीय प्रभाव सम्मिलित नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी अंतर-सेवा संगठनों के प्रमुखों के लिए संगठनों में अनुशासन बनाए रखना और उनकी प्रतिबद्धता के लिए एक सक्षम अधिनियम बनाने की आवश्यकता महसूस की गई। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के कर्मी अपने संबंधित अधिनियम यानी सेना अधिनियम 1950, नौसेना अधिनियम 1957 और वायु सेना अधिनियम 1950 और उनके अंतर्गत बनाए गए नियम और कानून के अनुसार शासन करते हैं। अनुशासन सेना की आत्मा है। यह उनके चरित्र और संकल्प को मजबूत करता है। यह आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के साथ-साथ एक इकाई या प्रतिष्ठान के सैनिकों को एकजुट करने में भी मदद मिलती है। रक्षामंत्री ने कहा कि इस बिल में दो महत्वपूर्ण उद्देश्यों को एक साथ पूरा किया गया है। यह बिल एक ऐसा वातावरण बनाने में भी मदद करेगा, जो हमारे अंतर सेवा संगठन में अनुशासन को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि यह हमारी सशस्त्र सेनाओं के बीच एकता और संयुक्तता की दिशा को मजबूत करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे वे भविष्य की नींव को एकजुट और संगठित तरीकों से मुकाबला कर सकें। यह एक ऐसा माहौल बनाने में भी मदद करना चाहता है, जो हमारे अंतर-सेवा संगठनों में निर्देश को मजबूत करना चाहता है।

विश्व हरेला परिवार व संघ परिवार द्वारा पर्यावरण हरेला महापर्व 1 करोड़ पौधे लगाकर मनाया जाएगा : डीसीपी संजय कुमार सैन

देवभूमि उत्तराखंड सहित पूरे हिंदुस्थान विश्व समुदाय के लिए विश्वव्यापी बना चुका पर्यावरण प्रकृति, जलवायु का महापर्व हरेला कुंभ महोत्सव 8 जुलाई रोपण (बुवाई) से 17 जुलाई काटण (कटाई) आज भारतवर्ष में ही नही अपितु विश्व मे एक अपनी अनोखी पहचान छोड़ चुका है पर्यावरण संरक्षण को सुरक्षित व प्रदूषण मुक्त भारत का संकल्प इस पावन पर्व के माध्यम से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार ने इस पर्व को पर्यावरण प्रकृति दिवस के रूप में सावन मास तक बनाने का संकल्प लिया था।

इस पर्यावरण प्रकृति महापर्व को भारतवर्ष के प्रत्येक घर परिवार, खेत खलिहान, स्कुल, कॉलेज, अस्पताल सहित सभी संस्थानों में एक पेड़, पौधा अपने व अपने परिवार के स्वस्थ सुखी जीवन जीने का आधार का संकल्प लेकर यह पर्व आज पौधे लगाओ स्वस्थ जीवन जीने का लिया था जिससे पर्यावरण व प्रकृति की रक्षा की जा सके। उस समय जिसके फलस्वरूप आज भारतवर्ष मे ही नहीं अपितु के हर राज्य में पर्यावरण को शुद्ध रखने हेतु हरेला कुंभ महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है संघ परिवार व पर्यावरण प्रकृति संगठनों ने इस अभियान को 5 - 10 की छोटी छोटी टोली मे पेड़, पौधे रुपी लगाकर व्रक्षारोपण की शुरूआत कर दी है। इस बार हर प्रान्त में छोटी छोटी टोली मे 1 करोड़ से ज्यादा पौधे लगाने का लक्ष्य है जिससे इस अभियान में सभी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करे। उत्तराखंड के सामाजिक संगठनों सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार व भिन्न भिन्न संगठनों के लोग इस प्रकृति पर्व को पेड़ पौधे लगाकर मनाते है।

दिल्ली में पर्यावरण प्रकृति जलवायु रूपी इस महापर्व के अभियान को निरंतर बढ़ा रहे विश्व हरेला परिवार दिल्ली के संरक्षक व पर्यावरण प्रेमी दिल्ली पुलिस व दिल्लीवासियों में सिंघम के नाम से मशहूर पुलिस उपायुक्त संजय कुमार सैन ने बताया कि इस बार सैकड़ों संगठनों व दिल्ली पुलिस के पर्यावरण प्रेमी महानुभाव इस महापर्व को लगभग दिल्ली में ही 2000 स्थानों पर पेड़ पौधे लगाकर मनाएंगे व अपने सहित सभी लोगो को स्वस्थ जीवन जीने

का संदेश देकर पर्यावरण को साफ सुरक्षित बनाने का संदेश दिया जाएगा। श्री संजय कुमार सैन ने कहा कि मैं मूलत राजस्थान से आता हूं मगर राजस्थान व उत्तराखंड के लोगो की परंपरा लोकगाथा लगभग एक समान है लगभग उत्तराखंडवासियो की निकासी राजस्थान से ही है उन्होंने बताया कि जुलाई में भारतवर्ष के सभी प्रांतो में हरेला या यूँ कहें पर्यावरण प्रकृति पर्व मनाया जायेगा उन्होंने कहा कि हमारे देश की आबादी लगभग 135 करोड़ से अधिक है यदि आधी आबादी भी वृक्षारोपण करे तो भी कम से कम साठ करोड़ वृक्ष लगेंगे जो की विश्वभर के पर्यावरण के लिये महत्वपूर्ण होगा

पर्यावरण प्रकृति के लिए गत कई वर्षों से कार्य कर रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर्यावरण टोली मे अखिल भारतीय स्तर पर पर्यावरण विषय पर शोघ कर रहे हैं भारतवर्ष सहित ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर सहित कई विदेशों में भी हरेला महोत्सव के माध्यम से पर्यावरण, जलवायु पर पेड़, पोधे लगाकर इस अभियान को तीव्र गति प्रदान कर रहे है इसके अलावा भारतवर्ष के कई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों जे एन यू, इग्नू, आई आई टी, दिल्ली विश्वविद्यालय समेत कई संस्थानों में भी पर्यावरण प्रेमियों विभिन्न संगठनों के माध्यम से व्रक्षारोपण व पर्यावरण के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते है।

संजय कुमार सैन ने कहा कि दस करोड़ लोग भी पूरे वर्ष मात्र दस वृक्ष प्रति व्यक्ति लगाए तो प्रति वर्ष सौ करोड़ वृक्ष लगेंगे हमारे सामूहिक प्रयास यह आसानी से सम्भव है। श्री सैन ने कहा कि विश्व का राष्ट्रवादी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व अनेकों अनुषांगिक संगठन भी समस्त भारतवर्ष सहित विश्व को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए इस अभियान में लगे हैं उन्होंने कहा कि इस बार बरगद सहित तुलसी, बेलपत्र, आंवला, जामुन, आम आदि पेड़ पौधे लगाकर इस पर्यावरण प्रकृति पर्व को मनाया जाएगा। विश्व हरेला परिवार के सदस्य ताराचंद्र उपाध्याय ने बताया कि अनेकों पर्यावरण संरक्षण संगठनों व संघ परिवार द्वारा आयोजित पर्यावरण, जलवायु प्रकृति हरेला कुंभ महापर्व 8 जुलाई से शुरू होकर मानसून सत्र तक हरेला कुंभ पर्यावरण मेला के रूप में बनाया जाएगा।

जिसमे उत्तराखंड समाज व अन्य समाज के पर्यावरण प्रेमी हिस्सा लेंगे। इस हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ अधिकारियों सहित पूर्व महामहिम राज्यपाल महाराष्ट्र श्री भगत सिंह कोश्यारी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री डॉक्टर रमेश पोखरियाल, सांसद अनिल बलूनी, अजय टम्टा, रीता बहुगुणा जोशी सहित कई प्रमुख समाज के लोग अपना हरेला कुंभ सन्देश प्रेषित करेंगे व इस अभियान में हिस्सा लेंगे

करावल नगर ई & एफ ब्लॉक आरडब्ल्यू के पदाधिकारियों ने की निगम पार्षद से मुलाकात

आज आरडब्ल्यू के दीपक भारद्वाज अध्यक्ष, हरीश पाठक जनरल सेक्रेट्री, मुकेश गुप्ता सेक्रेटरी ई ब्लॉक, एस.एन तिवारी सेक्रेट्री आफ ब्लॉक, राजेश प्रजापति, ललिता खंडेलवाल महिला मोर्चा कार्यकारिणी सदस्य करावल नगर विधानसभा क्षेत्र ने निगम पार्षद सतपाल मास्टर से शिष्टाचार भेंट कर क्षेत्र में हो रही समस्याओं के बारे में उनको अवगत कराया। जिसमें नालियों का ओवरफ्लो

होना, जगह-जगह जलभराव व मच्छरों का एकत्रित होना, हाउस टैक्स आदि मैटर भी शामिल थे। निगम पार्षद ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अपने सभी आला अधिकारियों को निर्देश दिए की कॉलोनियों में जल्द से जल्द दवा का छिड़काव व धुआँ करने के साथ क्षेत्र की सभी समस्याओं का जल्द से जल्द निदान किया जाए। अच्छी बात यह रही कि घर पहुंचने से पहले ही दवा के छिड़काव का काम चालू हो चुका है और मलेरिया टीम ने कॉलोनियों में विजिट करना चालू कर दिया है जगह-जगह लोगों को कूलर की दवाई बाटी गई और मलेरिया और डेंगू से फैलने वाली बीमारियों के बारे में सभी क्षेत्रवासियों को जागरूक किया।

दुकानदार पर कैंची से ताबड़तोड़ वार, जीटीबी अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, रूप सिंह। करावल नगर इलाके में एक दुकानदार को एक युवक से उधार के 130 रुपये मांगने भारी पड़ गए। कैंची से दुकानदार पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। घायल हालत में हर्ष शुक्ला को जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। पीड़ित की शिकायत पर करावल नगर थाना पुलिस ने प्राथमिकी की है। पुलिस ने आरोपित राहुल उर्फ पप्पू को गिरफ्तार कर लिया है। पूर्वी दिल्ली के करावल नगर इलाके में एक दुकानदार को एक युवक से उधार के 130 रुपये मांगने भारी पड़ गए। कैंची से दुकानदार पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। घायल हालत में हर्ष शुक्ला को जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पीड़ित की शिकायत पर करावल नगर थाना पुलिस ने प्राथमिकी की है। पुलिस ने आरोपित राहुल उर्फ

पप्पू को गिरफ्तार कर लिया है। हर्ष शुक्ला अपने परिवार के साथ मुकुंद विहार में रहते हैं। उनकी किराना की दुकान है। पीड़ित ने छह माह पहले इलाके में रहने वाले राहुल नाम के युवक को 130 रुपये उधार दिए थे। कई बार मांगने पर आरोपित उधार की रकम वापस नहीं कर रहा था। वह उसके घर पर उधार वापस लेने गए तो वह भड़क गया और गाली गलौज करने लगा। पीड़ित अपनी दुकान पर वापस आ गए। कुछ देर के बाद आरोपित पीड़ित की दुकान पर पहुंचा और उनके मुंह पर सौ रुपये का नोट फेंककर मारा। पीड़ित ने विरोध किया तो आरोपित ने दुकान के काउंटर पर रखी कैंची उठाकर दुकानदार के सिर, सीने पर वार कर दिए।

टमाटर की कीमत 300 रुपए किलो तक होने की संभावना

नई दिल्ली। टमाटर की कीमतें आने वाले दिनों में 300 रुपए प्रति किलो तक पहुंच जाने की आशंका जताई गई है। थोक कारोबारियों ने आवक कम होने से टमाटर के थोक दाम बढ़ने की बात कही है। उनका कहना है कि इसका असर खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी के रूप में देखने को मिल सकता है। दिल्ली स्थित आजादपुर टमाटर एसोसिएशन का कहना है कि पिछले तीन दिनों में टमाटर की आवक कम हो गई है क्योंकि भारी बारिश के कारण उत्पादक क्षेत्रों में फसल खराब हो गई है थोक बाजार में टमाटर के भाव 160 रुपए प्रति किलो से बढ़कर 220 रुपए प्रति किलो हो गए हैं, जिसके कारण खुदरा कीमतें भी बढ़ सकती हैं। सब्जियों के थोक विक्रेताओं को नुकसान का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि टमाटर, शिमला मिर्च और अन्य मौसमी सब्जियों की बिक्री में भारी गिरावट आई है। प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण आपूर्ति बाधित होने से टमाटर की कीमत एक महीने से अधिक समय से चढ़ी हुई है। आजादपुर सब्जी मंडी के एक थोक विक्रेता ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन और भारी बारिश के कारण सब्जियों के परिवहन में काफी कठिनाई हो रही है। उत्पादकों से सब्जियों को लाने में सामान्य से छह-आठ घंटे अधिक लग रहे हैं।

ऐसी स्थिति में टमाटर की कीमत लगभग 300 रुपए प्रति किलो तक पहुंच सकती है। उन्होंने कहा कि टमाटर और अन्य सब्जियां जो हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र से आती हैं, उनकी गुणवत्ता में गिरावट आई है। हिमाचल प्रदेश में जुलाई में भारी बारिश होने से फसलों को नुकसान हुआ है।

ॐ नमः शिवाय BVC214888
श्री श्याम Packers & Movers 9871923892
SHRI. SHYAM PACKERS & MOVERS
shrishyampackersmovers920@gmail.com
Customer Care No. 9871923892 SHYAM 7838364559
SPL.. In All Kind Of Household & Goods Packing Shifting, Insurance And All Kind Of Trucks Avalible
ALL OVER INDIA
V-505 HAROLA SECTOR 5 NOIDA GB.NAGAR 201301

BVC214888
AYURVEDA
Dr. Pranav Garg
B.Sc., LL.B (Gold Medalist)
LL.M (Gold Medalist, JMI, Delhi)
M.Sc. (Industrial Psychologist)
M.B.A.(Marketing & HRM)
Ph.D.(CMJ Uni., Shillong)
MAYA AYURVEDA & WELLNESS
"For Every Illness we have 'Wellness"
MAYA MULTIPLEX CINEMA
Opp. Saharanpur Bus Stand, Roorkee Road, Muzaffarnagar
Mobile: 9837634771, 8077071607 email: pranavonnet@yahoo.com

प्रो. प्रदीप सैनी
सुमित सैनी
अमित सैनी
BVC953970
8881446658
9058874920
9045548930
भागीरथी सैनी ढाबा
हमारे यहाँ शादी विवाह, पार्टी, जागरण हेतु आर्डर बुक किये जाते है।
पंजाबी ढाबा, राम रसोई, गुजराती ढाबा
प्रेमपुरी, डाकखाने के सामने वाली गली में, मुजफ्फरनगर

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होगा भारत आम महोत्सव : रमेश अवस्थी

दिल्ली- नेशनल मीडिया क्लब द्वारा दिल्ली के वेस्टर्न कोर्ट परिसर में 16वें भारत आम महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में पहुंचे 14 देशों के राजदूत और विभिन्न दलों के राजनेताओं ने आम की 300 से ज्यादा प्रजातियों को देख महोत्सव की सराहना करते हुए आम के स्वाद का लुत्फ उठाया। इसके साथ ही 16वें भारत आम महोत्सव में पहुंचे 16 केंद्रीय मंत्रियों ने विभिन्न प्रजातियों के रसीले आम के स्वाद का आनन्द लिया, भारत आम महोत्सव में पहुंचे रूस, अफ्रीका, फिजी समेत 14 देशों के विदेशी मेहमानों ने 300 से अधिक किस्मों के आम की प्रदर्शनी को देखा और इसकी प्रशंसा की। विदेशी मेहमानों ने इस तरह के भारत आम महोत्सव का आयोजन अपने अपने देशों में भी कराने के लिए आयोजक रमेश अवस्थी से आग्रह किया। जिस पर रमेश अवस्थी ने 2024 का भारत आम महोत्सव दुबई में कराने की घोषणा की।

नेशनल मीडिया क्लब के चेयरमैन रमेश अवस्थी ने आम महोत्सव के बारे में बताया कि आम को भारत मे सौभाग्य और समृद्धि के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। आम को कूटनीतिक राजनीति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि देश की आजादी के बाद भारत के कई प्रधानमंत्री आम को विदेशी मेहमानों को उपहार में दे चुके हैं। भारत गौरव के प्रतीक आम की खुशबू और उसके गुणों को देश विदेश तक फैलाकर उसके बारे में जानकारी देना तथा आम उत्पादन को बढ़ाकर किसानों को समृद्ध बनाना नेशनल मीडिया क्लब का उद्देश्य है।

महोत्सव में उमड़ी हजारों लोगों की भीड ने आम के साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त दिल्ली के मशहूर गोपाल 56 के स्पेशल मैंगो शेक और आम से बनी आइसक्रीम के स्वाद का लुत्फ उठाया। महोत्सव में 'मोदी' आम के साथ सेल्फी लेने वालों की होड़ लगी रही। इस दौरान महोत्सव में पहुंचे फिल्मी सितारों ने दर्शकों के साथ खूब फोटो सेशन कराया। फिल्मी सितारों के साथ फोटो सेशन के लिए आम के साथ खास लोगों की भींड उमड़ पड़ी। इससे पहले महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री, साध्वी निरंजन ज्योति, केंद्रीय संचार राज्य मंत्री देवूसिंह चौहान, राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद, लोकसभा सांसद आर० के० सिंह पटेल और नेशनल मीडिया क्लब के चेयरमैन रमेश अवस्थी ने दीप प्रज्वलन कर किया। वहीं केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम भाई रुपाला ने आम महोत्सव में लगी किसान प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने आम उत्पादक किसानों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री अश्विनी चौबे, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन सिंह, फि ल्म अभिनेता रजा मुराद, शहबाज खान, बिंदु दारा सिंह, गरिमा अग्रवाल, और सद्गुरु रितेश्वर महाराज जी ने मैंगो केक काटकर नेशनल मीडिया क्लब के चेयरमैन रमेश अवस्थी को आयोजन की बधाई दी।

नेशनल मीडिया क्लब के अध्यक्ष सचिन अवस्थी ने बताया कि दिल्ली के वेस्टर्न कोर्ट परिसर में 16 वें भारत आम महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव का उद्देश्य दुनिया भर

के आम और खास को आम की प्रजातियों के बारे में जानकारी देना है। महोत्सव का शुभारंभ "नए भारत की मिठास, भारत आम महोत्सव के साथ" स्लोगन के साथ किया गया। 16वें भारत आम युवक युवतियों की भींड फोटो सेशन के लिए उमड़ पड़ी। मशहूर फि ल्म अभिनेता राजपाल यादव ने अपने हसमुख अंदाज से लोगो का दिल जीत लिया । वही रजा मुराद, शहबाज खान, बिंदु दारा

प्रदर्शनी में किसानों द्वारा सजा कर रखा गया मोदी मैंगो, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति किसानों के प्रेम की मिसाल जैसा दिख रहा था। किसानों के दिल में ये प्रेम पीएम के समर्पण से उपजा है। मोदी आम के साथ फोटो खिचवाने में देश विदेश से आए खास लोगों के बीच लगी होड़ से पता चलता है कि पीएम मोदी की ख्याति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार परवान चढ़ती जा रही है। (रमेश अवस्थी)

नेशनल मीडिया क्लब के भारत आम महोत्सव की खुशबू पहुंची विश्व स्तर पर
16वें भारत आम महोत्सव में पहुंचे 16 केंद्रीय मंत्री, 14 देशों के राजदूतों के साथ 135 से ज्यादा सांसद हुए शामिल, राजनीतिक, सामाजिक एवं सिने जगत की हस्तियों का हुआ महासंगम।नेशनल मीडिया क्लब द्वारा दिल्ली के वेस्टर्न कोर्ट परिसर में आयोजित हुआ 16वां भारत आम महोत्सव।
'मोदी' आम बना महोत्सव का मुख्य आकर्षण, 300 से ज्यादा आम की प्रजातियों के साथ सेल्फी की लगी होड़।
मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने किया भारत आम महोत्सव का उद्घाटन।
केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम भाई रुपाला ने आम उत्पादक किसानों को किया सम्मानित।

महोत्सव में फिजी, नेपाल, ब्रूनेई दारुस्सालाम, अफगानिस्तान, श्रीलंका, नॉर्थ मैसेडोनिया, सर्बिया, रूस, सूरीनाम, मॉरीशस, लेसोथो, कोमोरोस, मेडागास्कर, गाम्बिया, गैबॉन देशों के राजदूत, उपराजदूत एवं राजनायिकों ने भाग लिया।

इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न प्रजातियों के आम के स्वाद का लुत्फ उठाया। महोत्सव में पहुंचे फिल्मी सितारों ने खूब जलवे बिखेरे। फिल्म स्टार महिमा चौधरी ने हाथ हिलाकर लोगों का दिल जीत लिया वहीं गुलशन ग्रोवर के डायलॉग ने जमकर तालियां बटोरी। अभिनेत्री प्रीति झिंगियानी से मिलकर महोत्सव में मौजूद सिंह, प्रवीन डबास जैसे अभिनेताओं ने युवाओं के साथ बच्चों और बुजुर्गों ने हाथ मिलाकर फोटो खिंचवाई। कार्यक्रम में पहुंचीं मशहूर कवियत्री शबीना अदीब, कविता तिवारी ने मंच से कविताओं को पेशकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस दौरान फिल्मी सितारों ने भी आम के साथ ही आम से बने मैंगो शेक और आइसक्रीम का लुत्फ उठाया। महोत्सव में पहुंचे केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडे, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट, केंद्रीय स्वास्थ राज्य मंत्री एस० पी० सिंह बघेल, केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री अश्विनी चौबे, केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री, साध्वी निरंजन ज्योति, केंद्रीय संचार राज्य मंत्री देवूसिंह चौहान, केंद्रीय जनजातीय मामलों की राज्य मंत्री रेणुका सिंह सरुता, केंद्रीय महिला बाल विकास और आयुष राज्य मंत्री डॉ. महेंद्र भाई मुंजापरा, केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री ए नारायणस्वामी, केंद्रीय इस्पात राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास बंडु आठवले, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री रामेश्वर तेली, केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर, अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय राज्यमंत्री जॉन बारला ने नेशनल मीडिया क्लब के चेयरमैन रमेश अवस्थी और अध्यक्ष सचिन अवस्थी को सफल भारत आम महोत्सव आयोजन करने की बधाई दी। वहीं जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री वर्तमान लोकसभा सांसद फारूख अब्दुल्ला, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के साथ ही दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल, उत्तराखंड सरकार के मंत्री प्रेम चंद्र अग्रवाल भी आम महोत्सव में पहुंचे। उनका स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया।

मशहूर सौंदर्य विशेषज्ञ डॉ भारती तनेजा, हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब, सांसद रमापति राम त्रिपाठी, साक्षी महाराज, सांसद राजेन्द्र अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, सांसद रवि किशन, दिनेश लाल निरहुआ, बसपा सांसद श्याम सिंह यादव, शिवसेना से सांसद अरविंद सावंत, राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, भाजपा सांसद राजवीर सिंह, सांसद सुब्रत पाठक,सांसद मुकेश राजपूत, सांसद प्रतिभा सिंह, सांसद रमेश बिधूड़ी, पूर्व केंद्रीय मंत्री महेश शर्मा, प्रताप सारंगी, सत्यपाल सिंह, सुदर्शन भगत, संतोष गंगवार, लोजपाआर के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद चिराग पासवान समेत 135 से ज्यादा सांसद महोत्सव में मौजूद रहे। सांसद महोत्सव की भव्यता देख उसकी सराहना करते नजर आए। इस दौरान उत्तराखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम,विधायक पंकज सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी एवं अलका लांबा, सांसद शशि थरूर, वाईस चैयरमेन नई दिल्ली नगर पालिका परिषद् (ठउद्द्व) सतीश उपाधाय, दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा समेत तमाम नेताओं ने भव्य महोत्सव की शुभकामनाएं दीं। महोत्सव में देश के नामी गिरामी गायकों ने सूफी और भजन गीत पेशकर खूब तालियां बटोरीं। वहीं दूसरी तरफ देश के नामी गिरामी रॉक बैंड के कलाकारों ने तेज धुन पर महोत्सव में आये लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार, भाजपा के पूर्व दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता, जगन्नाथ सरकार मौजूद रहे। इस महोत्सव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से क्षेत्र प्रचारक (पश्चिम क्षेत्र) महेंद्र जी, प्रान्त प्रचारक ब्रज प्रान्त डॉ हरीश रौतेला, गोविंद जी, विक्रांत जी, विश्व हिन्दू परिषद से बड़े दिनेश जी, भाजपा के राष्ट्रीय संगठक प्रद्युमन कुमार, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिषाचार्य डॉ आचार्य राजेश ओझा जी, दयालु जी महाराज, दिल्ली हाईकोर्ट के एएसजी चेतन शर्मा और प्रतिष्ठित एवं सामाजिक कार्यकताओं के साथ ही मीडियाकर्मी, वरिष्ठ कानून अधिकारी और सरकारी क्षेत्रों के कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी शिरकत की।

दुनिया भर के खास ने चखी आम की मिठास : भारत आम महोत्सव में दशहरी, फजली, प्रियूर, अल्फांसो, आम्रपाली, आलमपुर बानेशान, बादशाहपसंद समेत 3 सौ से ज्यादा आम की प्रजातियां मौजूद रहीं। महोत्सव में पहुंचे दुनिया भर के खास लोगों ने आम की मिठास चख कर उसके स्वाद की खूब तारीफ की।

रमेश अवस्थी द्वारा आयोजित होना वाला आम महोत्सव हर आम और खास की पसंद बन चुका है कानपुर से शुरू हुई रमेश अवस्थी की मैंगो पार्टी आज देश का बड़ा आयोजन भारत आम महोत्सव बन चुका है जो आम उत्पादक किसानों के लिए बहुत लाभदायक साबित हो रहा है।

- "कानपुर का आम महोत्सव अंतर्राष्ट्रीय पटल पर खुशबू बिखेर रहा यह
- कानपुर वासियों के लिए गौरव की बात है"
(प्रमिला पांडे, महापौर कानपुर)

DELHI CRIME 1-15 aug 2023:Layout 1 8/9/2023 1:17 PM Page 6

डब्ल्यूएफआई चुनावः उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी, बृजभूषण शरण सिंह के परिवार से कोई सदस्य नहीं

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष पद के लिए चार उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया है। जैसा कि खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, निवर्तमान डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण के परिवार से किसी भी सदस्य ने चुनाव नहीं लड़ा है। डब्ल्यूएफआई की वेबसाइट पर अपलोड की गई "जांच के बाद वैध रूप से नामांकित उम्मीदवारों की सूची" के अनुसार, सिंह के करीबी सहयोगी, उत्तर प्रदेश के संजय कुमार सिंह, जय प्रकाश (दिल्ली), दुष्यंत शर्मा और (जम्मू और कश्मीर) और अनीता श्योराण (ओडिशा) ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया है। अनीता, जो डब्ल्यूएफआई की पहली महिला अध्यक्ष बनने की दौड़ में हैं, कथित तौर पर सिंह के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न मामलों में गवाह भी हैं। उत्तर प्रदेश के कैसरगंज से सांसद बृजभूषण यौन उत्पीड़न के कई आरोपों का सामना कर रहे हैं और फिलहाल जमानत पर हैं। वह डब्ल्यूएफआई चुनाव में लड़ने के लिए पात्र नहीं हैं क्योंकि उन्होंने एक पदाधिकारी के रूप में 12 साल पूरे कर लिए हैं, जो राष्ट्रीय खेल संहिता के अनुसार अधिकतम अनुमत कार्यकाल है। खेल मंत्री ठाकुर ने जून में प्रदर्शनकारी पहलवानों के साथ बैठक में उन्हें आश्वासन दिया था कि सिंह के परिवार का कोई भी सदस्य चुनाव नहीं लड़ेगा। तदनुसार, सिंह, जो उत्तर प्रदेश कुश्ती संस्था के अध्यक्ष हैं, और उनके बेटे करण, जो उसी राज्य संस्था में उपाध्यक्ष हैं, चुनाव में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। सिंह के दामाद और बिहार कुश्ती संघ के अध्यक्ष विशाल सिंह भी चुनाव में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। डब्ल्यूएफआई चुनाव, जो पहले 4 जुलाई को होने थे, अब 12 अगस्त को होंगे। चुनाव में पहले देरी हुई क्योंकि रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त नहीं किया गया था, जिसके बाद असम कुश्ती संघ ने गौहाटी उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की, जिससे चुनाव में और देरी हुई। चुनावों में देरी के कारण यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने कड़ी चेतावनी दी, जिसने प्रारंभिक समयसीमा के अनुसार चुनाव नहीं होने पर डब्ल्यूएफआई को निलंबित करने की धमकी दी। हालाँकि, यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने तब से कोई बयान जारी नहीं किया है।

डब्ल्यूएफआई 2023 चुनावों के लिए नामांकित उम्मीदवारों की पूरी सूची इस प्रकार है

अध्यक्षः संजय कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश), जय प्रकाश (दिल्ली) दुष्यन्त शर्मा (जम्मू एवं कश्मीर), अनिता श्योराण (ओडिशा)।

वरिष्ठ उपाध्यक्षः असित कुमार साहा (पश्चिम बंगाल),आई. डी. नानावटी (गुजरात), देवेन्द्र (असम)।

उपाध्यक्षः हमजा-बिन-ओमर (तेलंगाना), करतार सिंह (पंजाब), एन फोनी (मणिपुर), असित कुमार साहा (पश्चिम बंगाल), जय प्रकाश (दिल्ली), मोहन यादव (मध्य प्रदेश)।

प्रधान सचिवः दर्शन कल (चंडीगढ़), जय प्रकाश (दिल्ली), प्रेम चंद लोचब (गुजरात)।

कोषाध्यक्षः सत्यपाल सिंह देशवाल (उत्तराखंड), दुष्यन्त शर्मा (जम्मू एवं कश्मीर)।

संयुक्त सचिवः आर.के. पुरूषोत्तम (आंध्र प्रदेश), रोहताश सिंह (हरियाणा), बेलिप्पाडी गुणरंजन शेट्टी (कर्नाटक), कुलदीप सिंह (हिमाचल प्रदेश)।

कार्यकारी सदस्यः एम. लोगनाथन (तमिलनाडु), नेविकुओली खात्सी (नागालैंड), राकेश सिंह (हरियाणा), उम्मेद सिंह (राजस्थान), प्रशांत राय (छत्तीसगढ़), रजनीश कुमार (झारखंड), श्रीनिवास जे (कर्नाटक), रतुल शर्मा (असम), अजय वैद्य (जम्मू एवं कश्मीर), कुलदीप सिंह (हिमाचल प्रदेश)।

पीसीबी ने क्रिकेट तकनीकी समिति का किया गठन, मिस्बाह, इंजमाम और हफीज शामिल

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को क्रिकेट तकनीकी समिति (सीटीसी) का गठन किया है, जिसमें पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक (प्रमुख), मोहम्मद हफीज और इंजमाम-उल-हक शामिल हैं। मिस्बाह की अगुवाई वाली समिति को पाकिस्तान में लगभग सभी क्रिकेट गतिविधियों को शामिल करते हुए व्यापक अधिकार दिए गए हैं। पीसीबी ने एक बयान में कहा, सीटीसी क्रिकेट से संबंधित मामलों पर सिफारिशें प्रदान करेगा, जिसमें समग्र घरेलू संरचना, शेड्यूल, खेल की स्थिति, राष्ट्रीय चयन समितियों की नियुक्ति, राष्ट्रीय टीम के कोचों और अंपायरों, रेफरी और क्यूरेटर की नियुक्ति, केंद्रीय और घरेलू अनुबंध और विकास की योजनाएं शामिल हैं। बयान में आगे कहा गया, "सीटीसी के पास अतिरिक्त क्रिकेट विशेषज्ञों को आमंत्रित करने की शक्तियां होंगी और वह नियमित आधार पर पीसीबी प्रबंधन समिति के प्रमुख को रिपोर्ट करेगा।" इस बीच, पीसीबी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जका अशरफ ने कहा कि तीन पूर्व कप्तानों के पास क्रिकेट का अच्छा ज्ञान है और वे अपने क्रिकेटरों को आगे बढ़ने के लिए सर्वोत्तम प्रणाली प्रदान करने में उनकी मदद करेंगे। अशरफ ने कहा, मुझे हमारे देश में क्रिकेट की बेहतरी के लिए मिस्बाह-उल-हक, इंजमाम-उल-हक और मोहम्मद हफीज का बोर्ड में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। इन तीन पूर्व कप्तानों के पास क्रिकेट का अच्छा ज्ञान है और वे आधुनिक क्रिकेट की मांगों को समझते हैं।" उन्होंने कहा, ह्लघरेलू क्रिकेट संरचना किसी भी क्रिकेट राष्ट्र का एक स्तंभ है। हमें इसे फुलप्रूफ और इसकी संरचना को प्रगतिशील बनाना होगा। 'पाकिस्तान के तीन सबसे अनुभवी और सम्मानित क्रिकेटर मिस्बाह, इंजमाम और हफीज की मौजूदगी हमें अपने क्रिकेटरों को आगे बढ़ने के लिए सर्वोत्तम प्रणाली प्रदान करने में मदद करेगी ताकि हम सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर तैयार कर सकें।" दूसरी ओर, पाकिस्तान के सबसे सफल टेस्ट कप्तान मिस्बाह ने समिति के प्रमुख के रूप में अपनी नियुक्ति को "सम्मान" और "चुनौतीपूर्ण कार्य" बताया। उन्होंने कहा, "इस समिति का प्रमुख नियुक्त किया जाना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है, जिसमें कई प्रतिष्ठित लोग शामिल हैं जिन्होंने दशकों तक पाकिस्तान क्रिकेट की सेवा की है।" उन्होंने आगे कहा, यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन इस समिति के पास जो विशाल अनुभव और ज्ञान है, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम जमीनी स्तर से लेकर सबसे ऊपर खेल की स्थिति में सुधार और वृद्धि करने वाली सिफारिशें प्रदान करके सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम होंगे।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः आसान जीत के साथ क्वार्टरफाइनल में पहुंचे सिंधु, श्रीकांत

सिडनी। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु और पूर्व विश्व नंबर 1 किदांबी श्रीकांत ने ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सिंधु, जिन्होंने 2016 में रियो ओलंपिक खेलों में रजत पदक और 2020 टोक्यो में कांस्य पदक जीता था ने हमवतन आकर्षी कश्यप को 29 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 21-10 से हराया। आकर्षी के साथ सिंधु की यह पहली भिड़ंत थी और अधिक अनुभवी खिलाड़ी सिंधु ने पूरे मैच में बढ़त बनाए रखी और एक आरामदायक जीत दर्ज की। प्रतियोगिता में पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु का अगला मुकाबला मलेशिया की चौथी वरीयता प्राप्त बेइवेन झांग से होगा, जिन्होंने हुआंग यू-हसुन के खिलाफ 19-21, 21-10, 21-12 से जीत दर्ज कर अंतिम-आठ चरण में प्रवेश किया। वहीं, श्रीकांत ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 इवेंट में क्वेसेंटर के कोर्ट 3 में दूसरे दौर के मैच में चीनी ताइपे के सु ली यांग को 21-10, 21-17 से शिकस्त दी। पहले दौर में जापान के केंटा निशिमोटो को 21-18, 21-7 से हराने वाले श्रीकांत का क्वार्टर फाइनल में मुकाबला भारत के प्रियांशु राजावत और चीनी ताइपे के वांग त्जु वेई के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

धीमी ओवर गति के मामले में सख्त कदम उठायें अंपायर : नासिर हुसैन

लंदन। आजकल धीमी ओवर गति के कारण टीमों पर जुमार्ने के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जिसको लेकर हुए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि अब इस मामले में अंपायरो को अधिक सक्रिय होना होगा। हुसैन के अनुसार टेस्ट में पूरे 90 ओवर होने चाहिये क्योंकि खेल देखने वाला टिकट पूरे ओवर देखने के लिए लेता है। एशेज में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पर धीमी ओवर गति के कारण ही जुमार्ना लगा है। इससे इन दोनो ही टीमों को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) की अंक तालिका में भी अंकों का नुकसान हुआ है। इंग्लैंड ने चार टेस्ट मैचों में प्रतिबंध के कारण 19 डब्ल्यूटीसी अंक गंवाए, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एक मैच से 10 अंक गंवाए। इस पर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि खेल के दौरान समय कहां जा रहा है जबकि हर दिन अतिरिक्त समय भी दिया जा रहा है। ऐसे में अब अंपायरों को तेजी बरती होगी। हुसैन के अनुसार धीमी ओवर गति के लिए कठोर दंड होना चाहिए। मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो प्रशंसकों को परेशान करता है हालांकि मुझे लगता है कि इंगलैंड में टिकट महंगे हैं। और यदि वह 90 ओवरों के लिए भुगतान करते हैं, तो आपको 90 ओवरों की उम्मीद करनी चाहिए। 85 ओवरों के बाद अगर वे अतिरिक्त समय में गेंद फेंककर चले जाते हैं, तो मुझे लगता है कि जुमार्ना लगाया जाना चाहिए।

मैं कुछ हद तक सोचता हूं और मुझे पता है कि आपको इसे खरीदने के लिए टीवी कंपनियों को लाना होगा पर अगर आप अपने 30 ओवर नहीं फेंकते हैं, तो आपको बने रहना होगा। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि जब तक आप अपने 30 ओवर नहीं फेंक लेते तब तक आपको दोपहर का भोजन नहीं मिलता ये ट्री ब्रेक के समय चाय नहीं मिलनी चाहिये। इस मामले में अब तेज गेंदबाजों को अधिक सजग होना होगा।

न्यूजीलैंड ए के खिलाफ श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया ए के कोच होंगे एडम वोग्स

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने एडम वोग्स को ऑस्ट्रेलिया ए का कोच नियुक्त किया है। वोग्स ने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया और पर्थ स्कॉर्चर्स को प्रशिक्षित किया है, जिसने शेफील्ड शील्ड, मार्श कप और बीबीएल के खिताब जीते हैं। ऑस्ट्रेलिया ए इस महीने के अंत में क्वींसलैंड में दो चार दिवसीय मैचों और तीन 50 ओवर के मैचों में न्यूजीलैंड ए की मेजबानी करेगा, जो ऑस्ट्रेलिया के टी20 अंतरराष्ट्रीय और दक्षिण अफ्रीका के वनडे दौरे के साथ-साथ चलेगा। ए सीरीज के चार दिवसीय मैच 28-31 अगस्त तक ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड और 4-7 सितंबर को मैके के ग्रेट बैरियर रीफ स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे, जो गुलाबी गेंद से दिन-रात का मैच होगा। पहला 50 ओवर का खेल भी 10 सितंबर को मैके में आयोजित किया जाएगा, इसके बाद दूसरा और तीसरा मैच 13 और 15 सितंबर को ब्रिस्बेन में खेला जाएगा। मैचों के लिए टीमों की घोषणा अभी बाकी है लेकिन वोग्स कोचिंग स्टाफ का नेतृत्व करेंगे जिसमें ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन के साथ-साथ श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज थिलन समरवीरा भी शामिल होंगे। तस्मानिया के पूर्व ऑलराउंडर और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के सहायक कोच ल्यूक बटरवर्थ भी वोग्स के तहत काम करेंगे, साथ ही ऑस्ट्रेलियाई महिला गेंदबाजी कोच स्कॉट प्रेस्टविज और क्वींसलैंड क्रिकेट के कोच और प्रतिभा विकास विशेषज्ञ टोनी हैम्पसन भी कोचिंग स्टॉफ में शामिल होंगे। ऑस्ट्रेलिया के चयनकताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली भी श्रृंखला के लिए क्वींसलैंड में समूह के साथ होंगे। वोग्स ने ऑस्ट्रेलिया ए टीम का कोच बनने पर खुशी जताई। वोग्स ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से बातचीत में कहा, "मैं इसे एक अवसर के रूप में देखता हूं। मुझे यहां पर्थ में अपनी नौकरी पसंद है। मैं यहां (डब्ल्यूए में) जो अवसर मिला, उसके लिए मैं वास्तव में आभारी हूं। मैं एक कोच के रूप में जितना संभव हो उतना विकास करना और सीखना पसंद करूंगा मैं ऑस्ट्रेलिया ए के साथ मिलने वाले साढ़े तीन सप्ताह का आनंद लूंगा। मैं हमेशा सीखते रहना चाहता हूं और भूमिका में आगे बढ़ना चाहता हूं।"

मोईन ने अगले साल टेस्ट सीरीज के लिए भारत का दौरा करने से किया इनकार, कहा-अब वापसी का कोई रास्ता नहीं

नई दिल्ली। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी मोईन अली ने अगले साल पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारत का दौरा करने से इनकार कर दिया है। मोईन ने ब्रिटिश समाचार पत्र द गार्जियन से बातचीत में कहा, ह्लमेरे भारत जाने का कोई रास्ता नहीं है। टेस्ट क्रिकेट में अपना सफर इस तरह खत्म करना अच्छा है। टेस्ट क्रिकेट सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट है। काश मैं समय को पीछे कर पाता।" मोईन ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ समाप्त हुए पांच मैचों की एशेज श्रृंखला में स्पिनर जैक लीच की जगह ली थी, जो पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण श्रृंखला से चूक गए थे। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और कोच ब्रेंडन मैकुलम द्वारा संपर्क किए जाने के बाद मोईन ने संन्यास लेने का अपना फैसला बदल दिया था। 35 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि सितंबर 2021 में जब उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था, तो उसके बाद फिर से टेस्ट प्रारूप में शामिल होना उन्हें वास्तव में कठिन लगा। मोईन ने इंग्लैंड के लिए 68 टेस्ट खेले हैं, जिसमें पांच शतक और 15 अर्द्धशतक के साथ 3,094 रन बनाए हैं। ऑफ स्पिनर ने टेस्ट क्रिकेट में 204 विकेट भी लिए हैं। अच्छे रिकॉर्ड के बावजूद, मोईन ने इस तथ्य को स्वीकार किया कि उनका टेस्ट करियर ऊंचे स्तर पर होता। उन्होंने कहा,ह्लहालांकि मेरा टेस्ट करियर थोड़ा ऊपर-नीचे रहा है, लेकिन मैं इसे नहीं बदलूंगा। मुझे यह बहुत पसंद आया। मुझे जीवन में बाद में इंग्लैंड की वापसी को स्वीकार न करने का पछतावा होता। यह काफी चुनौतीपूर्ण था क्योंकि मैंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कभी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। मेरे पास खोने के लिए कुछ नहीं था; दोबारा वापसी एक फ्री हिट थी।"

अंडर 19 बालक अंतर मंडलीय फुटबाल चैंपियनशिप के लिए चयन 04 व 05 अगस्त को

- 08 अगस्त से 15 अगस्त तक डॉ. भीमराव स्पोर्ट्स स्टेडियम मऊ में आयोजित होगी अंतर मंडलीय प्रदेश स्तरीय फुटबाल चैंपियनशिप

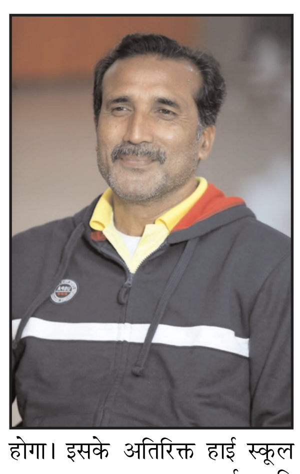

मुरादाबाद। जिला फुटबाल एसोसिएशन मुरादाबाद के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश फुटबाल संघ एवं खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के समन्वय से 19 वर्षीय बालक अंतर मंडलीय फुटबाल चैंपियनशिप का आयोजन 08 अगस्त से 15 अगस्त तक डॉ. भीमराव स्पोर्ट्स स्टेडियम मऊ में होगा। इसमें सभी 18 मंडलों की टीमें प्रतिभाग करेंगी। मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि अंडर 19 बालक अंतर मंडलीय फुटबाल चैंपियनशिप की प्रतियोगिता हेतु मुरादाबाद मंडल की टीम के लिए जिला स्तर का चयन 04 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे एवं मंडल स्तर का चयन 05 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे किया जाएगा। इस चयन में वही खिलाडी प्रतिभाग कर सकते हैं जिनका जन्म 01 जनवरी 2010 से 31 दिसम्बर 2011 के मध्य का हो। इच्छुक खिलाड़ी अपना जन्म प्रमाण पत्र लाना होगा। इसके अतिरिक्त हाई स्कूल प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, यदि पासपोर्ट हो तो उसकी छाया प्रति तथा पासपोर्ट आकार के चार रंगीन फोटो साथ लाना आवश्यक है। जो खिलाड़ी अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ से पंजीकृत हों, जिनका पंजीयन नहीं होगा उन्हें चयन उपरांत पंजीयन शुल्क 118 रुपये का डीडी सभी पत्रों के साथ देना होगा। मुहम्मद नासिर कमाल ने कहा कि अधिक जानकारी के लिए मेरे मोबाइल नंबर 9456770786 पर संपर्क कर सकते हैं।

मनोज तिवारी ने क्रिकेट को अलविदा कहा

कोलकाता। बंगाल के क्रिकेटर से रानीतिज्ञ बने मनोज तिवारी ने गुरुवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया। 37 साल के मनोज तिवारी ने खेल को अलविदा कहने की बात सोशल मीडिया पर भी प्रशंसकों के साथ साझा की। इस बल्लेबाज ने लिखा, क्रिकेट के खेल को अलविदा। इस खेल ने मुझे सब कुछ दिया है, मेरा मतलब है कि वह सब कुछ जो मैंने कभी सपने में नहीं सोचा था। तिवारी ने 2008 में ब्रिस्बेन में एकदिवसीय मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था पर वह रन नहीं बना पाये थे। इसके बाद उन्हें तीन-चार साल के बाद खेलने का अवसर मिला। उन्होंने चेन्नई में वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना एकमात्र शतक लगाया। साल 2012 में वह एकदिवसीय टी से भी बाहर हो गये। इसके बाद वह केवल चार और अवसरों पर ही भारत की ओर से खेल पाये। जिसमें 2015 में जिम्बाब्वे में एक श्रृंखला भी शामिल थी। कुल मिलाकर उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए 12 एकदिवसीय और 3 टी20 मैच खेले। तिवारी ने राष्ट्रीय टीम से बाहर होने के बावजूद लगातार घरेल क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है और हाल ही में रणजी ट्रॉफी फाइनल में बंगाल टीम की कप्तानी भी की। अपने शानदार प्रथम श्रेणी करियर में दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 48.56 की औसत से 29 शतक बनाए और 9900 से अधिक रन बनाए। इसमें जनवरी 2022 में हैदराबाद के खिलाफ बनाया गया 303 रनों की पारी भी शामिल है। इस बल्लेबाज ने आईपीएल में भी 98 मैच भी खेले और 2012 के फाइनल में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से विजयी रन बनाए।

डोप टेस्ट में विफल होने पर अमेरिकी हैमर थ्रोअर ग्वेन्डोलिन बेरी 16 माह के लिए निलंबित

वाशिंगटन। दो बार की ओलंपियन और पैन एम गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता अमेरिकी हैमर थ्रोअर ग्वेन्डोलिन बेरी को प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के लिए 16 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका एंटी-डोपिंग एजेंसी (यूएसएडीए) ने बुधवार को उक्त जानकारी दी। यह बेरी के लिए 10 साल की अवधि के भीतर दूसरा डोपिंग प्रतिबंध है, जो 2016 और 2020 अमेरिकी ओलंपिक टीमों की सदस्य थीं। बेरी को प्रतिबंधित दवा स्पिरोनोलैक्टोन के सेवन का दोषी पाया गया है। बेरी पर 16 महीने का प्रतिबंध 28 अप्रैल को लगाया गया था, जिस दिन उन पर अस्थायी निलंबन लगाया गया था, जिससे वह बुडापेस्ट में इस महीने की विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से बाहर हो गईं। इसके अलावा वह अगले साल जुलाई से शुरू होने वाले 2024 पेरिस ओलंपिक में भी भाग नहीं ले पाएंगी। 34 वर्षीय हैमर थ्रोअर बेरी लीमा में 2019 पैन एम गेम्स में भी सुर्खियों में थीं, जहां उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था।

आईबीएसए वर्ल्ड गेम्स : भारतीय पुरूष ब्लाइंड क्रिकेट टीम के कप्तान बने अजय कुमार, महिला टीम की कमान वर्षा उमापति को

बेंगलुरु। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) ने गुरुवार को भारतीय ब्लाइंड क्रिकेट टीमों (पुरुष और महिला दोनों) के कप्तानों की घोषणा की, जो आगामी अंतरराष्ट्रीय ब्लाइंड स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईबीएसए) विश्व खेलों 2023, बर्मिंघम में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। बर्मिंघम में आईबीएसए वर्ल्ड गेम्स 2023 के लिए अजय कुमार रेड्डी इलुरी (बी2 श्रेणी) को पुरुष क्रिकेट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि वेंकटेश्वर राव डुन्ना (बी2 श्रेणी) को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। दोनों खिलाड़ी आंध्र प्रदेश के हैं। इस बीच, कर्नाटक की रहने वाली वर्षा उमापति (बी1 श्रेणी) महिला क्रिकेट टीम का नेतृत्व करेंगी। ओडिशा के फूला सारेन (बी3 श्रेणी) को टीम का उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। सीएबीआई ने बर्मिंघम में आईबीएसए वर्ल्ड गेम्स 2023 में अपनी शुरूआत से पहले पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए जर्सी का भी अनावरण किया। खेल 18 अगस्त से 27 अगस्त तक आयोजित होने वाले हैं, ब्लाइंड क्रिकेट विश्व खेलों में पहली बार शामिल किया गया है। इस अवसर पर सीएबीआई के अध्यक्ष, बुसे गौड़ा ने कहा, ह्लमैं भारतीय महिला और पुरुष क्रिकेट टीमों के अध्यक्ष के रूप में आईबीएसए विश्व खेलों में भाग लेने के लिए बर्मिंघम की यात्रा से पहले अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए खुश और विनम्र हूं। विश्व खेलों में पहली बार ब्लाइंड क्रिकेट को शामिल करने के लिए हम आईबीएसए के आभारी हैं। यह खिलाड़ियों के लिए देश का प्रतिनिधित्व करने और विश्व चैंपियन बने रहने का सबसे अच्छा अवसर है।" सीएबीआई के अध्यक्ष डॉ महंतेश जी किवादासनवर ने कहा कि यह पहला टूनार्मेंट है जहां पुरुष और महिला दोनों टीमें विश्व खेलों में हिस्सा ले रही हैं। भारतीय नेत्रहीन पुरुष टीम ने पिछले 10 वर्षों में 3 टी20 विश्व कप, 2 वनडे विश्व कप और एक एशिया कप जीता है। बर्मिंघम में देश का झंडा ऊंचा रखने की अब पुरुष टीम के साथ-साथ महिला टीम की भी बारी है। भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान वर्षा ने ऐतिहासिक चैंपियनशिप में टीम का नेतृत्व करने का अवसर देने के लिए सीएबीआई के प्रति आभार व्यक्त किया। भारतीय नेत्रहीन पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान अजय कुमार रेड्डी ने टूनार्मेंट की तैयारी पर बात की और बताया कि कैसे टीम आईबीएसए विश्व खेलों में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के लिए उत्साहित है।

आईबीएसए विश्व खेल 2023 के लिए भारतीय पुरुष टीम

बी 1:- बसप्पा वड्डगोल, मोहम्मद जफर इकबाल, महाराजा शिवसुब्रमण्यम, ओमप्रकाश पाल, नरेशभाई बालूभाई तुमड़ा, नीलेश यादव।

बी 2:- अजय कुमार रेड्डी (कप्तान), वेंकटेश्वर राव दुन्ना, (उप-कप्तान), पंकज भुए, रामबीर सिंह, नकुल बदनायक, इरफान दीवान।

बी 3:- प्रकाश जयरमैया, सुनील रमेश, दीपक मलिक, दुर्गा राव टोम्पाकी, दिनेशभाई चामायदाभाई राठवा।

आईबीएसए विश्व खेल 2023 के लिए भारतीय महिला टीम

बी 1:- वर्षा यू (कप्तान), वलसनैनी रवन्नी, सिमू दास, पद्मिनी टुडू, किलका संध्या, प्रिया।

बी 2:- गंगव्वा नीलप्पा हरिजन, सैंड्रा डेविस करिमालिक्कल, बसंती हांसदा, प्रीति प्रसाद।

बी 3:- सुषमा पटेल, एम. सत्यवती, फूला सारेन (उप कप्तान), झिली बिरुआ, गंगा संभाजी कदम, दीपिका टी.सी।

चीन में समर यूनिवर्सिटी गेम्स में चीन की लियांग जियाजिंग महिलाओं के 100 मीटर फाइनल में अन्य प्रतियोगियों से आगे निकलती हुई। (फोटो)

DELHI CRIME 1-15 aug 2023:Layout 1 8/9/2023 1:17 PM Page 7

अब दुश्मन के विमानों को नष्ट करने के बाद ही दम लेगी आकाश-एनजी मिसाइल

– आकाश एनजी मिसाइल प्रणाली का पहला आरएफ सीकर डीआरडीओ को सौंपा गया
– बीडीएल आरएफ सीकर उत्पादन वाली वैश्विक कंपनियों के विशिष्ट क्लब में शामिल

नई दिल्ली। भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने आकाश एनजी मिसाइल प्रणाली का पहला रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर (आरएफ सीकर) डीआरडीओ को सौंप दिया। इसके साथ ही बीडीएल आरएफ सीकर उत्पादन की क्षमता वाली वैश्विक कंपनियों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गया है। यह रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर नई पीढ़ी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल आकाश एनजी को सफलतापूर्वक किसी भी दुश्मन के विमान पर तब तक लॉक कर सकता है, जब तक वह नष्ट न हो जाए। डीआरडीओ ने 21 जुलाई को बिना रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर के आकाश-एनजी मिसाइल का सफल परीक्षण किया था, लेकिन 23 जुलाई को ओडिशा के तट पर चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से किये गए परीक्षण में स्वदेशी रूप से विकसित आरएफ सीकर लगाया गया था। आरएफ सीकर ने आकाश-एनजी को उच्च गति वाले मानवरहित हवाई लक्ष्य पर सफलतापूर्वक लॉक करने में मदद की और लक्ष्य के नष्ट होने तक लगातार उसका मार्गदर्शन किया। आकाश-एनजी हथियार प्रणाली को उच्च युद्धाभ्यास क्षमता और कम रडार क्रॉस-सेक्शन (आरसीएस) वाले उन्नत लड़ाकू विमानों को रोकने के लिए विकसित किया गया है। इसे पहली बार इस साल गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले 25 जनवरी को लॉन्च किया गया था। डीआरडीओ की हैदराबाद में स्थित रिसर्च सेंटर इमारत ने स्वदेशी रूप से

आरएफ सीकर विकसित किया है, जिसका निर्माण भारत डायनामिक्स लिमिटेड ने किया है। इसके साथ ही बीडीएल आरएफ उत्पादन की क्षमता रखने वाली दुनियाभर की कंपनियों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गया है। पहला आरएफ सीकर रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत को सौंपा गया। इस मौके पर बीडीएल के सीएमडी कमोडोर ए माधवराव (सेवानिवृत्त) भी मौजूद थे। डीआरडीओ के मुताबिक आरएफ साधक आकाश-एनजी को लक्ष्य पर लॉक करने में मदद करता है और इस प्रकार दुश्मन के लड़ाकू विमानों के लिए आने वाली मिसाइलों से बचना मुश्किल हो जाता है। रक्षा मंत्रालय ने भी स्वदेशी रूप से विकसित आरएफ सीकर, लॉन्चर, मल्टी-फंक्शन रडार और कमांड, कंट्रोल और मिसाइल से युक्त संपूर्ण हथियार प्रणाली के कामकाज को मान्य किया है। आकाश-एनजी सतह से हवा में मार करने वाली पुरानी आकाश मिसाइलों का उन्नत संस्करण है।

राष्ट्रपति भवन का 'अमृत उद्यान' 16 अगस्त से जनता के लिए खुलेगा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में स्थित अमृत उद्यान 16 अगस्त से एक महीने तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। राष्ट्रपति सचिवालय ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि उद्यान उत्सव-क्क के तहत अमृत उद्यान 16 अगस्त से एक महीने (सोमवार को छोड़कर) के लिए जनता के लिए खुला रहेगा। 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाने के लिए यह विशेष रूप से शिक्षकों के लिए खुलेगा। उद्यान उत्सव-क्क का उद्देश्य आगंतुकों को ग्रीष्मकालीन वार्षिक फूलों का प्रदर्शन करना है। पर्यटक सुबह 10 बजे से सांय 5 बजे तक (अंतिम प्रवेश सांय 4 बजे) बगीचों का दौरा कर सकते हैं। प्रवेश नॉर्थ एवेन्यू के पास राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 35 से होगा। बुकिंग 7 अगस्त, 2023 से राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट

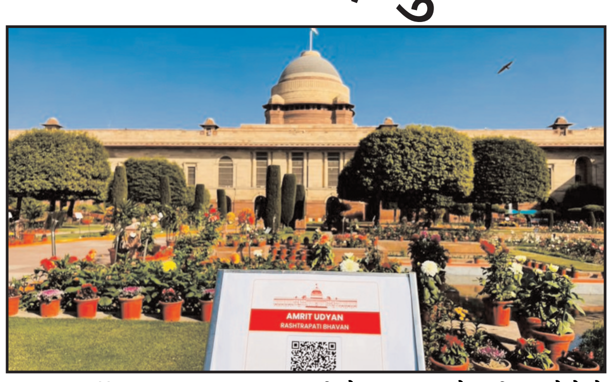

(https://visit.rashtrapatibhavan.gov.in/) पर ऑनलाइन की जा सकती है। वॉक-इन आगंतुक गेट नंबर 35 के पास स्थित सेल्फ सर्विस कियोस्क से पास प्राप्त कर सकते हैं। अमृत उद्यान में प्रवेश निःशुल्क है। उल्लेखनीय है कि अमृत उद्यान को इस वर्ष 29 जनवरी से 31 मार्च तक उद्यान उत्सव-क के तहत खोला गया था, जिसे 10 लाख से अधिक लोगों ने देखा था। अमृत उद्यान के साथ-साथ, आगंतुक (https://visit.rashtrapatibhavan.gov.in/) पर ऑनलाइन स्लॉट बुक करके राष्ट्रपति भवन संग्रहालय भी देख सकते हैं। सरकारी स्कूलों के छात्र उद्यान उत्सव-द्वितीय के दौरान संग्रहालय का निःशुल्क दौरा कर सकते हैं।

नवी मुंबई में तीन बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

मुंबई। एंटी टेरोरिस्ट स्कॉड (एटीएस) की टीम ने नवी मुंबई में तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इन तीनों से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार एटीएस टीम को नवी मुंबई के खारघर में स्थित ओवेगांव में बांगलादेशियों के रहने की जानकारी मिली थी। इसी आधार पर एटीएस टीम ने गुरुवार को ओवेगांव में जाल बिछाकर तीनों को

गिरफ्तार किया। इन तीनों की पहचान कमाल अहमद खान (36), आलिम यूनुस शेख (40) और बादल मोइनुद्दीन खान (38) के रुप में हुई है। तीनों में दो अपने माता-पिता के साथ लगभग 30 साल पहले भारत आए थे और तब से यहीं रह रहे थे। इन तीनों से पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि वे अपनी आजीविका चलाने के लिए स्थानीय स्तर पर काम करते थे। इन तीनों से एटीएस की टीम गहन पूछताछ कर उनके बारे में और जानकारी एकत्र कर रही है।

यूके के पंजाबी सांसद को अमृतसर हवाई अड्डे पर रोका, दो घंटे पूछताछ

चंडीगढ़। यूके में सिख सांसद तनमनजीत सिंह ढेसी को गुरुवार की सुबह अमृतसर हवाई अड्डे पर रोककर करीब दो घंटे पूछताछ हुई है। वह एयर इंडिया की फ्लाइट में बर्मिंघम से अमृतसर पहुंचे थे। अमृतसर एयरपोर्ट से चेक-आउट करते ही इमिग्रेशन अधिकारियों ने रोक लिया। पंजाबी मूल के ढेसी वर्ष 2017 से यूके की संसद में सांसद

हैं। वह अक्सर पंजाब आते रहते हैं। वह गुरुवार की सुबह अमृतसर पहुंचे, तो उनके पास पर्याप्त दस्तावेज नहीं थे। उनके पास ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया कार्ड नहीं था, जिसके बाद उन्हें अमृतसर एयरपोर्ट पर रोक लिया गया। इमिग्रेशन अधिकारियों ने उन्हें दस्तावेज पूरे करने के लिए कहा। तकरीबन दो घंटे के अंतराल के बाद उन्होंने अपने दस्तावेज पूरे कर लिए और उन्हें एयरपोर्ट से बाहर जाने दिया गया।

बृजभूषण सिंह पर आरोप तय करने के मामले में अगली सुनवाई 9 अगस्त को

नई दिल्ली। महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों के संबंध में भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह गुरुवार को दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने आरोप तय करने के मामले पर आज सुनवाई टाल दी। मामले की अगली सुनवाई 09 अगस्त को होगी। कोर्ट ने 20 जुलाई को बृजभूषण सिंह और सह आरोपित विनोद तोमर को सशर्त जमानत दी थी कि दोनों आरोपित किसी शिकायतकर्ता या गवाह को धमकाने या प्रभावित करने की कोशिश नहीं करेंगे। सुनवाई के दौरान

दिल्ली पुलिस ने न तो जमानत याचिका का विरोध किया था और न ही समर्थन। कोर्ट ने 07 जुलाई को दिल्ली पुलिस की चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए बृजभूषण सिंह और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था। दिल्ली पुलिस ने छह बालिग महिला पहलवानों की ओर से लगाए गए यौन उत्पीड़न के मामले में 15 जून को राऊज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट में भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354डी, 354ए और 506 (1) के तहत बृजभूषण और विनोद तोमर पर आरोप लगाए गए हैं। महिला पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। महिला पहलवानों ने बृजभूषण पर कार्रवाई की मांग करते हुए जंतर-मंतर पर धरना दिया था। इस धरने ने राजनीतिक रंग ले लिया था।

प्रधानमंत्री ने एन. विट्ठल के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पूर्व सिविल सेवक एन. विट्ठल के निधन पर दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने एन. विट्ठल के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया, श्री एन. विट्ठल जी को एक उत्कृष्ट सिविल सेवक के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में भारत के विकास पथ को समृद्ध किया। उन्होंने राज्य में अपने करियर के दौरान गुजरात के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निधन से दुख हुआ। उनके परिवार तथा मित्रों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। ओम शांति।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने गुरुवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। सिद्धारमैया ने प्रधानमंत्री मोदी को लकड़ी से बनी पारंपरिक हाथी की लघु प्रतिमा और माला भेंट की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा ट्वीट की गई तस्वीर में प्रधानमंत्री मोदी कर्नाटक की पारंपरिक पगड़ी और शॉल पहने नजर आ रहे हैं।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत के बाद राज्य में उनके नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री के साथ यह सिद्धारमैया की पहली मुलाकात थी। इससे पहले मुख्यमंत्री गुरुवार सुबह संसद भवन पहुंचे। अपने डिप्टी डीके शिवकुमार के साथ ट्यूनिंग पर मीडिया से बातचीत में सिद्धारमैया ने कहा, कर्नाटक में सब ठीक है। मेरे और डीके शिवकुमार के बीच कोई मतभेद नहीं है, हम साथ हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात से पहले मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात की। बाद में उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराजू और उनके दिल्ली प्रतिनिधि टी.बी. जयचन्द्र भी उपस्थित थे।

टीएमसी सांसद का पीएम मोदी पर तंज....एक मिनट के लिए सदन में नहीं आए

नई दिल्ली। टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज करते हुए कहा कि वह अभी तक एक मिनट के लिए भी संसद नहीं आए हैं। उनके लोगों ने घोषणा की है कि वह संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन आएंगे। तृणमूल सांसद ने कहा, अब आपके कृपापात्र घोषणा करते हैं कि आप अंतिम दिन, 10 अगस्त को आने को तैयार हो गए हैं। संसद के अंदर मणिपुर पर पीएम मोदी के बयान की मांग को लेकर कांग्रेस पीएम सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आई। प्रस्ताव पर अभी विचार नहीं हुआ है और इस पर 8 से 10 अगस्त के बीच चर्चा होने की संभावना है। पीएम 10 अगस्त को अविश्वास प्रस्ताव का जवाब दे सकते हैं, जो सत्र का आखिरी दिन भी है। अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस द्वारा लाया गया है लेकिन इंडिया से संबंधित सभी विपक्षी दलों ने प्रस्ताव का समर्थन किया। संसद के इस सत्र में ज्यादातर मणिपुर मुद्दे पर इतना व्यवधान देखा गया कि

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को लोकसभा की अध्यक्षता नहीं की। बुधवार को विपक्षी दल इंडिया के 31 सदस्यों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। गुरुवार को भी लोकसभा में हंगामा हुआ और कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कार्यवाही शुरू होने पर सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने पीठासीन सभापति राजेंद्र अग्रवाल से कहा कि सदस्य लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को आसन पर देखना चाहते हैं। चौधरी ने कहा, अध्यक्ष महोदय हमारे संरक्षक हैं। हम अपनी बात उनके समक्ष रख सकते हैं। हम उन्हें पीठ पर देखना चाहते हैं। इस पर अग्रवाल ने कहा कि उनकी बात लोकसभा अध्यक्ष तक पहुंचा दी जाएगी।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक
अनिल सेठी

संपादन सहयोगी - मोहित शुक्ला
सह-कार्यकारी संपादक - दिनेश शर्मा

सदस्य एवं रिपोर्टर

- ध्रुव सेठी, रहमत खान, मुकेश गुप्ता (दिल्ली)
- राजकुमार कश्यप, बेनू सेठी, अनीता सिंह, रामनाथ, मीनाक्षी निगम, मोहम्मद शमशेर (दिल्ली)
- सुशील कुमार (करनाल)
- वीरेंद्र कुमार ठाकुर, वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
- अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरुग्राम)
- सतपाल सिंह (पंजाब)
- अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
- श्यामलाल (मेरठ)
- राम नरेश सिंह (पडरौना यूपी)
- रामचंद्र, मुरलीधर (बिहार)
- नवीन सुरेल, तालबहेट (झांसी)
- ओमपाल शर्मा, इंद्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
- रवीकरण सिंह (अलीगढ़)
- रोशन कुमार मिश्रा, पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)
- किरण बनवाटे (मध्य प्रदेश) नसीर हुसैन (मुंबई)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092
संपर्क – 01135631400
Customer Care No.
8744884766

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹ 1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹ 60,000/-
FULL BACK PAGE	₹ 90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹ 66,000/-
HALF PAGE INNER	₹ 36,000/-
HALF PAGE BACK	₹ 51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹ 36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹ 21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹ 30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-
Visiting Card Size Advertisements:
Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs.3000/-

DELHI CRIME 1-15 aug 2023:Layout 1 8/9/2023 1:17 PM Page 8

सामंथा ने जिम में वर्कआउट करते वीडियो किया शेयर

-इंटरनेट पर वायरल हो रहा वीडियो

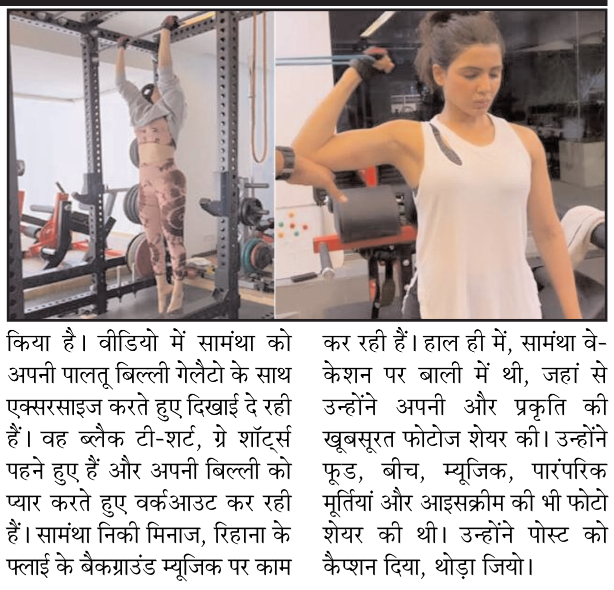

मुंबई। जिम में वर्कआउट करते हुए एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने अपना एक वीडियो शेयर किया। यह वीडियो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। सामंथा एक्टिंग से ब्रेक पर हैं, वह अपने हेल्थ पर ध्यान देना चाहती हैं। वह ऑटोइम्यून स्थिति मायोसिटिस नामक बीमारी से जूझ रही हैं। जानकारी के अनुसार, मायोसिटिस मांसपेशियों में सूजन पैदा करता है, जिससे मसल्स कमजोर, दर्दनाक और थकी हुई हो जाती हैं। फिटनेस फ्रीक सामंथा बाली वेकेशन के बाद वापस भारत लौट आई हैं, और अपने नए वर्कआउट वीडियो के साथ अपने फैंस को मंडे मोटिवेशन दे रही हैं। वर्कआउट वीडियो को एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर किया है। वीडियो में सामंथा को अपनी पालतू बिल्ली गेलैटो के साथ एक्सरसाइज करते हुए दिखाई दे रही हैं। वह ब्लैक टी-शर्ट, ग्रे शॉर्ट्स पहने हुए हैं और अपनी बिल्ली को प्यार करते हुए वर्कआउट कर रही हैं। सामंथा निकी मिनाज, रिहाना के फ्लाई के बैकग्राउंड म्यूजिक पर काम कर रही हैं। हाल ही में, सामंथा वेकेशन पर बाली में थी, जहां से उन्होंने अपनी और प्रकृति की खूबसूरत फोटोज शेयर की। उन्होंने फूड, बीच, म्यूजिक, पारंपरिक मूर्तियां और आइसक्रीम की भी फोटो शेयर की थी। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, थोड़ा जियो।

मैं सुलक्षणा पंडित की तरह दिखूं : शबाना आजमी

मुंबई। अभिनेत्री शबाना आजमी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को लेकर चर्चा में है। फिल्म में शबाना के किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके पहले भी वह कई सुपरहिट मूवीज में अपने रोल से लोगों का दिल जीत चुकी हैं। इसी बीच शबाना ने कैमरा फेस करने का अपना पहला अनुभव शेयर किया है। शबाना आजमी ने बताया कि वह मुश्किल से अपने डायलॉग्स बोल पाती थीं, क्योंकि मेकअप आर्टिस्ट ने उनके चेहरे पर बहुत सारा मेकअप लगा दिया था। इसके बाद शबाना को 100 प्रतिशत यकीन था वहां लोग उन्हें बाहर निकाल देंगे क्योंकि उनका पहला स्क्रीन टेस्ट डिजास्टर था। शबाना ने बताया, जब मैंने पहली बार स्क्रीन टेस्ट दिया, तब बहुत ही बुरा था क्योंकि उन्होंने मुझ पर इतना मेकअप लगा दिया था कि मैं अपना मुंह भी नहीं खोल पा रही थी। बहुत सारा मेकअप था। मैं इतनी भयानक लग रही थी कि मैंने कहा कि 100 प्रतिशत वहां मुझे बाहर निकाल देंगे क्योंकि मैं उनके काम नहीं आने वाली। लेकिन, मुझे एहसास हुआ कि ऐसा इसलिए था क्योंकि मेरे चेहरे पर बहुत सारा पैनकेक (मेकअप) था और ऐसा नहीं होना चाहिए था। शबाना ने माना कि जब उन्होंने मुख्य कैमरे को फेस किया, तब उन्हें कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में श्याम की आभारी हूं कि हमने बिल्कुल भी मेकअप नहीं किया था, बिल्कुल भी बेस नहीं था, आप वास्तविक जीवन में बिल्कुल वैसे ही दिखते हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने इस आसान बनाया। जब मैं मेनस्ट्रीम सिनेमा कर रही थी, तब मुझे कैमरा फेस करने में मुश्किल होती थी। एक समय था जब मेरी इच्छा थी कि मैं सुलक्षणा पंडित की तरह दिखूं और मेरे फेस पर ये मेकअप और विग न हो। मैंने उस तरह दिखने के लिए बहुत मेहनत की। मगर जितना उस सांचे में फिट होने की कोशिश की, मैं उतनी ही खराब दिखने लगी। बता दें, शबाना आजमी ने साल 1974 में श्याम बेनेगल की फिल्म अंकुर से डेब्यू किया था। इसमें उनकी परफॉर्मेंस काफी पसंद किया गया था और इसके लिए उन्होंने बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड भी जीता था।

आदित्य चोपड़ा की टाइगर 3 बनाम पठान होगी

मुंबई। बालीवुड फिल्म निमार्ता आदित्य चोपड़ा की टाइगर 3 टाइगर बनाम पठान होगी। भारतीय सिनेमा के दो दिग्गज सलमान खान और शाहरुख खान इस फिल्म में स्थिति से निपटने के लिए कड़ी मेहनत करते नजर आएंगे। टाइगर बनाम पठान के बारे में पहले से ही जबरदस्त चर्चा है और वाईआरएफ ने इस परियोजना के बारे में चुप रहना बेहतर समझा है। फिल्म का अपना शूटिंग शेड्यूल जनवरी 2024 में शुरू होगा। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित टाइगर 3 एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे मनीष शर्मा ने निर्देशित किया है। फिल्म में सलमान खान, कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी हैं। सूत्र ने आगे कहा, हमें यकीन है कि आदित्य चोपड़ा टाइगर 3 में टाइगर वर्सेस पठान के अस्तित्व को छेड़ेंगे। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स ने सलमान खान और कैटरीना कैफ अभिनीत टाइगर फ्रेंचाइजी के साथ शुरूआत की, जिसकी शुरूआत एक था टाइगर और टाइगर जिंदा है से हुई, और ऋतिक अभिनीत वॉर के साथ जारी रही। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की नवीनतम पेशकश टाइगर 3 इस दिवाली सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

हॉलीवुड फिल्म ने ज्यादा कमाई की

देश के बॉक्स ऑफिस पर किसी हॉलीवुड फिल्म ने पहली बार किसी मल्टी स्टारर बॉलीवुड मूवी के मुकाबले ज्यादा कमाई की है। इस बॉलीवुड फिल्म के साथ करण जोहर सात साल बाद निर्देशक के रूप में वापसी कर रहे हैं। एटम बम का आविष्कार करने वाले मैनहैटन प्रोजेक्ट और इसके मुखिया जे. रॉबर्ट ओपनहाइमर की दुविधा पर आधारित क्रिस्टोफर नोलान की फिल्म ओपनहाइमर ने रिलीज वाले वीकेंड पर कमाई के मामले में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को पीछे छोड़ दिया है। माना जा रहा था कि ओपनहाइमर से जुड़े विवाद के कारण फिल्म भारत में उतनी सफल नहीं हो सकेगी। लेकिन इसके विपरीत फिल्म ने देश में रिलीज के दिन शुक्रवार को 13.5 करोड़ रुपये, उसके बाद शनिवार को 16.5 करोड़ रुपये और रविवार को 17.25 करोड़ रुपये की कमाई की। इस प्रकार इसकी कुल कमाई 47.25 करोड़ रुपये रही। पहले 10 दिन में फिल्म 91.05 करोड़ रुपये कमा चुकी है।अमेरिका से बाहर ब्रिटेन के बाद ओपनहाइमर की सबसे ज्यादा कमाई भारत में हुई है।

तीन भाषाओं में शूट हुआ जिंदा बंदा गाना

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान ने पहली बार जिंदा बंदा गाने के लिए तीन भाषाओं में शूटिंग की है। यह गाना हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में गाया गया है। गाने की हिंदी में जिंदा बंदा, तमिल में वंधा एडम और तेलुगु में धुम्मे धुलिपेला बोल हैं। शाहरुख गाने में फीमेल को-स्टार्स और हजारों फीमेल डांसर्स के साथ झूमते दिखाई दे रहे हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, शाहरुख ने पहली बार तीन भाषाओं में लिपसिंक की है। उन्होंने तमिल और तेलुगु संस्करणों के लिए गाने के बोल सीखे और शूटिंग के दौरान चेन्नई यूनिट ने उनकी सहायता की। उन्होंने इस गाने को तीन भाषाओं के लिए तीन बार शूट किया। पहले गाने की शूटिंग पांच दिनों तक चली, जिसमें शाहरुख खान के जबरदस्त डांस मूव शामिल हैं। शाहरूख स्टारर फिल्म जवान 7 सितंबर 2023 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी।

सुष्मिता सेन फिर ओटीटी पर छाने के लिए तैयार

- रियल स्टोरी पर है यह वेब सीरीज

मुंबई। बालीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन एक बार फिर ओटीटी पर छाने के लिए तैयार हैं। वेब सीरीज ताली में सुष्मिता एक ट्रांसजेंडर की भूमिका में नजर आने वाली हैं। अब वेब सीरीज का दमदार टीजर भी रिलीज हो चुका है। टीजर में सुष्मिता अपने स्वाभिमान, सम्मान और स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ती नजर आ रही हैं। टीजर की शुरूआत सुष्मिता सेन के लाल बिंदी लगाने से होती है जो उनकी ताकत को दशार्ता है। इस टीजर के वॉइस ओवर में सुष्मिता कहती हैं, मैं गौरी, जिसे कोई हिजड़ा बुलाता है, तो कोई सोशल वर्कर, कोई नौटंकी तो कोई गेम चेंजर। ये कहानी इसी सफर की है, गाली से ताली तक। फिर फ्रेम उसके संघर्ष और सिस्टम के खिलाफ लड़ाई पर केंद्रित हो जाता है, जो तीसरे लिंग को पहचानने के लिए तैयार नहीं है। फिल्म में सुष्मिता का किरदार उग्र लग रहा है और वह श्रीगौरी सावंत के रूप में ऐसी रच बस गई हैं कि उनकी असली पहचान कहीं नजर नहीं आ रही। यह वेब सीरीज कोई फिक्शन नहीं बल्कि रियल लाइफ पर आधारित है। वह ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत का किरदार निभा रही हैं। इस सीरीज का प्रीमियर 15 अगस्त से जियोसिनेमा पर मुफ्त में होगा। रवि जाधव द्वारा निर्देशित, वेब श्रृंखला क्षितिज पटवर्धन द्वारा लिखी गई है और अर्जुन सिंह बारन, कार्तिक डी निशानदार और अफीफा सुलेमान नाडियाडवाला द्वारा समर्थित है। फिल्म का टीजर शेयर करते हुए सुष्मिता सेन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, गाली से ताली तक के सफर की ये कहानी। पेश है भारत के तीसरे लिंग के लिए श्रीगौरी सावंत की लड़ाई की कहानी। #टालीऑन जियोसिनेमा 15 अगस्त से मुफ्त स्ट्रीमिंग। 2008 में, उनकी मां के एड्स से पीड़ित होने के बाद उन्होंने गायत्री नाम की एक लड़की को गोद लिया। गौरी ने विक्स के एक विज्ञापन में काम किया जिसमें उनकी कहानी और गोद लेने की यात्रा को दशार्या गया था। आपको बता दें कि बीते साल से सुष्मिता अपने इस प्रोजेक्ट में बिजी थीं। गौरी सावंत ट्रांसजेंडर लोगों के गोद लेने के अधिकार के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर करने वाली पहली ट्रांसजेंडर थीं। पुणे में गणेश के रूप में जन्मी, वह महाराष्ट्र में चुनाव आयोग की सद्भावना राजदूत बनीं और राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) मामले में याचिकाकर्ता थीं।

अक्षय कुमार की 'ओएमजी-2' का ट्रेलर रिलीज, 11 अगस्त को आएगी सिनेमाघरों में

अक्षय कुमार की 2012 की फिल्म ओह माई गॉड के सीक्वल ओएमजी-2 की इस समय काफी चर्चा हो रही है। यह फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया पर रिलीज किया गया है। फिल्म ओएमजी-2 की पूरी कहानी कांति शरण मुद्गल के परिवार पर आधारित है। 3 मिनट के ट्रेलर में अक्षय कुमार के शिव अवतार ने लोगों का दिल जीत लिया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद कांति शरण मुद्गल के बेटे को स्कूल से निकाल दिया गया है। इसके बाद ट्रेलर में नजर आता है कि कांति शरण का बेटा सुसाइड करने जाता है। उसे स्कूल से भी निकाल दिया गया है। इसके बाद कांति शरण ने देश की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सीधे कोर्ट में याचिका दायर कर दी। ट्रेलर में एक कोर्ट सीन खास ध्यान खींचता है। इसमें जज पूछते हैं कि आरोपी और शिकायतकर्ता कौन है। इसके बाद पंकज त्रिपाठी हाथ उठाकर जवाब देते हैं कि दोनों मैं हूं। तो क्या कांति शरण को मिलेगा न्याय? भगवान शिव शंकर के दूत अक्षय कुमार उनकी कैसे मदद करेंगे? ट्रेलर में बताया गया है कि यह 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस बीच सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) यानी सेंसर बोर्ड ने ओएमजी-2 को ए सर्टिफिकेट दिया है। 11 अगस्त को रिलीज होने वाली इस फिल्म में अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी के साथ यामी गौतम, गोविंद नामदेव और अरुण गोविल भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

ड्रीम गर्ल 2 को लेकर दर्शकों की बढ़ी बेताबी

बालीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे की फिल्म ड्रीम गर्ल-2 25 अगस्त को रिलीज होने वाली है। लोग इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म ड्रीम गर्ल 2 का नया पोस्टरसामने आया है और इसका ट्रेलर भी आज ही आएगा। आयुष्मान खुराना ने अपनी फिल्म का नया पोस्टर शेयर करते हुए लोगों का एक्साइटमेंट बढ़ा दिया है। ड्रीम गर्ल 2 के नए पोस्टर में आयुष्मान खुराना के पूजा वाले अवतार में नजर आ रहे हैं। बताते चलें कि फिल्म ड्रीम गर्ल 2 में पहली बार आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे काम करने जा रहे हैं। ड्रीम गर्ल 2 का ट्रेलर रिलीज होने वाला है। फिल्म के ट्रेलर से आयुष्मान खुराना ने नया पोस्टर शेयर किया जो लोगों को ध्यान खींच रहा है। फिल्म ड्रीम गर्ल 2 के नए पोस्टर में आप देख सकते हैं कि आयुष्मान खुराना पूजा के अवतार में कार के बोनट पर खड़े नजर आ रहे हैं और फिल्म की बाकी स्टारकास्ट उन्हें नीचे से निहार रही है।

हाथों में हाथ डाले दिखे तमन्ना-विजय वर्मा

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा को मुंबई में हाथों में हाथ डाले घूमते देखा गया। डेटिंग की खबरों के बीच दोनों को एक ही कार में घर वापस जाते भी देखा गया। सेलिब्रिटी पैपराजी योगेन शाह द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीर और वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रही है, जिसमें कपल मुस्कुराते हुए एक-दूसरे का हाथ पकड़कर चलते हुए देखे जा सकते हैं। आउटिंग के दौरान तमन्ना और विजय कैजुअल ड्रेस में दिखे। एक्ट्रेस ने ब्लैक जींस के साथ वाइट टी-शर्ट पहनी थी। जबकि, विजय स्वेटशर्ट, स्नीकर्स के साथ ब्लू जींस में नजर आए।

इस कपल ने लस्ट स्टोरीज 2 के सेट पर मुलाकात के बाद डेटिंग शुरू की। उन्होंने फिल्म निमार्ता सुजॉय घोष की शॉर्ट फिल्म में एकसाथ काम किया। विजय एक्ट्रेस के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करने से नहीं कतराते। एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में एक्टर ने साझा किया कि वह उनके प्यार में पागल हैं।

रजनीकांत की 'जेलर' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। इस ट्रेलर को देखकर रजनीकांत के फैंस काफी खुश हैं। रजनीकांत के लुक से लेकर उनके स्टाइल तक हर चीज की तारीफ होती नजर आ रही है। ट्रेलर से साफ है कि रजनीकांत के इस नाम का जादू और उनका समग्र मजबूत प्रक्षेपण उनके प्रशंसकों को जेलर में अनुभव होगा। जेलर में रजनीकांत एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में तमन्ना भाटिया और बाहुबली में शिवगामी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री राम्या कृष्णन भी हैं। फिल्म का नाम पहले थलाइवर 169 था, लेकिन बाद में निमार्ताओं ने जेलर नाम की पुष्टि की। ट्रेलर की शुरूआत तेज-तर्रार एक्शन से होती है। फिल्म की कहानी एक जेलर के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जेल में एक कुख्यात गैंग का बड़ा गैंगस्टर कैद है। गिरोह के सदस्य उसे जेलर (रजनीकांत) की जेल से छुड़ाने की योजना बनाते हैं, लेकिन ईमानदार जेलर मुथुवेल यानी रजनीकांत बेहद सख्त हैं। उनका एक और पक्ष बेहद डरावना है, लेकिन इसके बारे में उनके परिवार का कोई भी सदस्य नहीं जानता। इसमें रजनीकांत का एक्शन देखकर दर्शक दंग रह जाते हैं। फिल्म में बॉलीवुड एक्टर जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा तमन्ना भाटिया पर फिल्माया गया गाना कवाला इस वक्त काफी चर्चा में है। फिल्म का लेखन और निर्देशन नेल्सन ने ही किया है। जेलर10 अगस्त को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सूडोकु नवताल- 6512

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6511 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7259

शब्द जाल में रेखा द्वारा अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

सावन भादो, राम बलराम, नियत, सुहाग, खूबसूरत, अगर तुम न होते, झूठी, कर्तव्य, निशान, उमराव जान

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	ऋ	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

शब्दजाल - 7258 का हल

बं	न	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	न
ब	ज	य	लि	दो	व	का	मौ	स	ल	य
ई	रा	ब	न	ज	वा	ज्यो	दा	बं	य	ना
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	ब	रा
न	म	स्का	र	र	र	क	वी	ना	श	म
न	बं	दि	श	वा	क	जी	र	ग	प	ब
व	र	न	ग	मा	व	सी	ब	न	प	न
नी	ब	ल	ज	न	बा	री	न	ज	प	र
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	बं

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6212

7	5		3	6		
	33		32		28	
2		7			6	1
	30	2	37	4	34	
5	1			7		4
	26		38		36	
	1	5	6			

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6211 का हल

5	7	3	1	4	6	2
6	31	1	25	5	33	1
3	1	5	4	2	6	7
4	27	2	28	1	37	6
2	3	7	1	6	5	4
7	36	6	37	3	35	3
1	6	4	3	7	2	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक इंद्रा द्वारा रॉयल ऑफसेट, 489 एफ.आई.ई, पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली- 110092 से मुद्रित कराकर S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली 110092 से प्रसारित किया गया। संपादक : इंद्रा
Customer Care No. 8744884766, For News & Advertisement 8744882188, Email- info@delhicrimepress.in, website - delhicrimepress.in